आज का विचार

लकीरें मामूली होती है, ये माथे पर चिंता, हथेली पर तकदीर, जमीन पर बंटवारा, और रिश्तों में दरार कर देती है।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-25 अंक-346 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

केंद्रीय चिकित्सालय में रक्तदान शिविर का आयोजन कल

बैकुण्ठपुर शुक्रवार 13 जून, 2025

स्टीव स्मिथ ने डब्ल्यूटीसी फाइनल में रचा इतिहास, तोड़ डाला 99 साल पुराना महारिकॉर्ड

पहला कॉलम

पूर्व सीएम विजय रुपाणी का अहमदाबाद विमान हादसे में निधन, पत्नी व बेटी से मिलने जा रहे थे लंदन

इंदौर। अहमदाबाद में एअर इंडिया का बोइंग ७८७ ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश का बड़ा हादसा हुआ है। इसमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी सवार थे, जिनका इस हादसे में मौत निधन हो गया है। विमान के गिरते ही पूरा इलाका धुएं के गुबार ढक गया था। इसमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी सहित २४२ पैसेंजर सवार थे, जिसमें ५६ ब्रिटिश और ६ पुर्तगाल नागरिक भी थे। विजय रूपाणी लंदन अपनी बेटी व पत्नी से मिलने के लिए जा रहे थे। विजय रूपाणी का नाम गुजरात भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेताओं में आता है। वह भाजपा के उन खांटी नेताओं में गिने जाते हैं, जो शुरू से पार्टी से जुड़े रहे। इसका इनाम भी उनको मिला। उन्होंने २०१४ में पहली बार विधानसभा का चुनाव जीता था। २०१६ में आनंदीबेन पटेल को हटाकर उनको राज्य का मुख्यमंत्री बनाया गया।

कुछ अलग

लोकसभा चुनाव 2029 में लागू हो सकता है 33 प्रतिशत महिला आरक्षण, सरकार कर रही विचार

नईदिल्ली,12 जून (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार 2029 के लोकसभा चुनाव में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को लागू करने पर विचार कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्र सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विचार कर रही है, जिसके तहत अगले लोकसभा चुनाव और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित की जाएंगी। बताया जा रहा है कि महिला आरक्षण विधेयक परिसीमन प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है। केंद्र सरकार के अधिकारियों ने बताया कि महिला आरक्षण को लागू करने के लिए जनगणना होगी। इसके बाद तय समय पर परिसीमन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके बाद चुनाव आयोग द्वारा निर्वाचन क्षेत्रों के नए परिसीमन के आधार पर 2029 के चुनाव कराए जा सकेंगे। बता दें कि जनगणना मार्च 2027 से शुरू होगा, जो 2 चरण में होगा। जनगणना 2021 में होनी थी, लेकिन कोरोना के चलते इसे स्थगित कर दिया गया था। कानून के मुताबिक, इससे राज्य विधानसभाओं, केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली की विधानसभा और लोकसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। इसी 33 प्रतिशत में से एक तिहाई सीटें अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) की महिलाओं के लिए होंगी। यानी एससी और एसटी महिलाओं को अलग से आरक्षण नहीं मिलेगा, बल्कि आरक्षण के भीतर ही आरक्षण होगा।

खरी-खरी

अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान क्रैश, उड़ान भरने के तुरंत बाद 191 मीटर की ऊंचाई से अचानक नीचे गिरा, 230 यात्री, चालक दल के 10 सदस्य सवार थे

- एयर इंडिया का यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त
- अहमदाबाद से लंदन जा रही थी फ्लाइट
- हादसे के बाद विमान के परखच्चे उड़े

अहमदाबाद । गुजरात के अहमदाबाद में बड़ा विमान हादसा हुआ है। अब तक की जानकारी के मुताबिक, विमान रिहायशी इलाके में गिरा है। मेघानी नगर इलाके में विमान गिरा है। एयरपोर्ट आने-जाने वाले रास्तों को बंद कर दिया गया है।

एयरपोर्ट की दीवार से टकराने के बाद प्लेन हादसे का शिकार हुआ है। यह एयर इंडिया (Air India) का बोईंग ७८७ विमान ड्रीमलाइनर (AIC 2716) था, जिसने लंदन के लिए उड़ान भरी थी। अधिकांश यात्री भारतीय (गुजरात) थे। विमान की क्षमता ३०० यात्रियों की है। समाचार एजेंसी ANI के अनुसार, विमान में २४२ यात्री थे। अब तक ५० से अधिक यात्रियों के मारे जाने की खबर है। NSG कमांडो मौके पर हैं। आसपास के अस्पतालों में आपातकालीन तैयार की गई है। धमाके के साथ विमान टूटकर गिरा है।

कनाडा के उच्चायोग ने अहमदाबाद में हुए दुखद विमान हादसे के बाद गहरी संवेदना व्यक्त की है। हमारी संवेदनाएँ पीड़ित परिवारों और प्रियजनों के साथ हैं। विमान में एक कनाडाई नागरिक सहित २४२ यात्री सवार थे।

किन देशों के यात्री सवार थे

१६९ भारतीय

५२ ब्रिटिश

६ पुर्तगाली

अब तक की जानकारी

विमान को कैप्टन सुमित सभरवाल उड़ा रहे थे, जिन्हें ८२०० घंटे विमान उड़ाने का अनुभव था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से बात की और दोनों को तत्काल अहमदाबाद रवाना होने के निर्देश दिए हैं।

केंद्र सरकार हालात पर नजर रखे हुए है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के मुख्यमंत्री से बात की। वहीं विमानन मंत्री ने एक्स पर पोस्ट में बताया है कि देश के सभी एयरपोर्ट पर अलर्ट घोषित किया गया है।

हादसा उस समय हुआ जब विमान उड़ान भर रहा था। विमान का एक हिस्सा एयरपोर्ट की बाउंड्री से टकरा गया, जिसके बाद विमान क्रैश हो गया। इसके बाद विमान आगे के गोले में तब्दील हो गया। विमान का मलबा दूर तक बिखरा हुआ है।

क्रैश होने के बाद विमान का मलबा आसपास की इमारतों पर गिरा, जिससे वहां भी आग लग गई। यहां तक कि वहां पार्क किए गए वाहनों में भी आग लग गई। नजदीक ही जिला अस्पताल है, जहां सभी डॉक्टरों को अलर्ट पर रखा गया।

'किसी की बहन तो किसी की साली', प्लेन क्रैश के शिकार यात्रियों के परिजन का हाल-बेहाल

नई दिल्ली । गुजरात के अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान क्रैश हो गया इस प्लेन में कुल २४२ लोग सवार थे जिसमें २३० यात्री, दो पायलट और १० क्रू मेंबर थे। विमान उड़ान भरने के साथ ही एयरपोर्ट के करीब ही क्रैश हो गई। जिस जगह यह प्लेन क्रैश हुआ वहां आसपास में कई बिल्डिंग थे। घटना के बाद यात्रियों के परिजनों और वहां के लोगों के बयान सामने आ रहा है।

'साली लंदन जा रही थीं'

गुजरात के सिविल अस्पताल पहुंचे पूनम पटेल ने कहा कि उनकी साली लंदन जा रही थी। उन्होंने बताया कि एक घंटे के भीतर खबर मिली कि विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। इसलिए वह अस्पताल पहुंचे है. उनके परिजल से कोई संपर्क नहीं हो पाया है।

बहन लंदन जा रही थी

वहीं, अहमदाबाद, गुजरात के सिविल अस्पताल में पहुंची भावना पटेल ने कहा कि मेरी बहन लंदन जा रही थी। दोपहर १.१० बजे के आसपास उसकी उड़ान थी, लेकिन विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। मेरे बहन से कोई संपर्क नहीं हुआ है और वह कैसी है ये भी पता नहीं है।

दूसरी मंजिल से कूदकर जान बचाई

उधर, गुजरात के अहमदाबाद के सिविल अस्पताल पहुंची रमीला कहती है कि उनका बेटा लंच ब्रेक के दौरान हॉस्टल गया था। विमान वहीं दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने अपने बेटे से बात की तो पता चला कि वह सुरक्षित है। बेटे ने दूसरी मंजिल से छलांग लगाकर खुद की जान बचाई, हालांकि उसे कुछ मामूली चोटें भी आई है।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में ई-गवर्नेंस की ओर बड़ा कदम: अब कर्मचारियों की कुंडली मोबाइल एप पर

०० मुख्यमंत्री की पहल से कर्मचारियों को डिजिटल सुविधा: सेवा जानकारी अब मोबाइल एप पर अपडेट ०० प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों को होगा लाभ: सेवानिवृत्ति, पदोन्नति और वेतन विसंगति में नहीं होगी कोई परेशानी: जीपीएफ का होगा त्वरित भुगतान

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन ई-गवर्नेंस के माध्यम से सुशासन को सशक्त और सहज बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। "डिजिटल प्रशासन - पारदर्शी समाधान" की नीति को आगे बढ़ाते हुए, प्रदेश सरकार ने अब कर्मचारियों की सेवा जानकारी को मोबाइल एप के माध्यम से अद्यतन करने की अभिनव पहल की है। यह प्रयास मुख्यमंत्री श्री साय की उस सोच को दर्शाता है जिसमें प्रत्येक कर्मचारी की सुविधा, सम्मान और अधिकार सुरक्षित हों — तेज, सरल और भरोसेमंद प्रणाली के माध्यम से। इसी कड़ी में प्रदेश के लगभग 4 लाख सरकारी कर्मचारियों की सीआर के लिए अब फाइलें पलटने का झंझट समाप्त हो गया है।कर्मचारियों की प्रोफाइल अब एम्प्लाई कॉर्नर मोबाइल एप पर अद्यतन (अपडेट) की जाएगी। इससे सेवानिवृत्ति, पदोन्नति, वेतन विसंगति आदि के समय किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। नई व्यवस्था के अनुसार अब कर्मचारियों की प्रोफाइल को कार्मिक संपदा पोर्टल पर लोड और अपडेट करना अनिवार्य होगा। इसके लिए एम्प्लाई कॉर्नर मोबाइल एप और वेब पोर्टल विकसित किए गए हैं।संचालनालय कोष एवं लेखा की इस नई व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। कर्मचारियों की सेवा संबंधी "कुंडली" को अद्यतन रखने में यह व्यवस्था अत्यंत सहायक सिद्ध होगी। हालाँकि 2019 से कार्मिक संपदा मॉड्यूल का उपयोग किया जा रहा है, किंतु यह नवीन डिजिटल प्लेटफॉर्म कर्मचारियों को उनकी व्यक्तिगत एवं सेवा संबंधी जानकारी त्वरित व सुविधाजनक रूप से उपलब्ध कराएगा। संचालक कोष

एवं लेखा श्री रितेश अग्रवाल ने कहा कि यह पाया गया है कि कार्मिक संपदा पोर्टल पर अधिकांश कर्मचारी अपनी जानकारी अपडेट नहीं करते हैं, जिसके कारण सेवानिवृत्ति के समय उन्हें अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कार्मिक संपदा मॉड्यूल में व्यक्तिगत जानकारी अपडेट करने की जिम्मेदारी कार्यालय प्रमुख की होती है, लेकिन इसमें समय लगने के कारण असुविधाएँ उत्पन्न होती हैं। इन समस्याओं के समाधान हेतु एम्प्लाई कॉर्नर मोबाइल एप विकसित किया गया है, जो कर्मचारियों को स्वयं लॉगिन कर अपनी जानकारी अपडेट करने की सुविधा देता है।

अब सेवा संबंधी जानकारी, नामिनी परिवर्तन, बैंक खाता परिवर्तन आदि के लिए कार्यालय प्रमुख पर निर्भरता नहीं रहेगी, जिससे अनावश्यक विलंब की स्थिति में भी कमी आएगी। स्थानांतरण, वेतन निर्धारण, पदोन्नति और अन्य प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और प्रगति सुनिश्चित होगी। साथ ही सेवा के दौरान और सेवानिवृत्ति उपरांत मिलने वाले लाभ जैसे पेंशन, जीपीएफ, उपादान, अवकाश नगदीकरण आदि प्रकरणों का शीघ्र निराकरण संभव होगा, क्योंकि संबंधित डेटा अद्यतन रहेगा।

कार्मिक संपदा एप से मिलेंगे ये प्रमुख लाभ

कर्मचारियों से प्राप्त सेवा संबंधी आवेदनों का निपटारा सक्षम अधिकारी समयबद्ध तरीके से कर सकेंगे। मॉड्यूल के अद्यतन होने से वेतन विसंगति से जुड़ी समस्याएँ कम होंगी। कर्मचारी एम्प्लाई कॉर्नर मोबाइल एप या वेब एप्लिकेशन पर लॉगइन कर जानकारी स्वयं अपडेट कर सकते हैं। प्रोफाइल अद्यतन की प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाने के उद्देश्य से यह एप और पोर्टल तैयार किया गया है। इसके उपयोग के लिए एसओपी की जानकारी वेबसाइट में दी गई है। साथ ही, शासकीय कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति उपरांत महालेखाकार कार्यालय में अंतिम जीपीएफ दावा को पूर्णतः ऑनलाइन माध्यम से प्रस्तुत करने की व्यवस्था भी तैयार की गई है। इससे दावे के निराकरण में लगने वाला समय काफी कम हो जाएगा। इसके अतिरिक्त, ऑनलाइन जीपीएफ क्रेडिट मिसिंग मॉड्यूल भी विकसित किया गया है, जिससे कार्यालय प्रमुख और कर्मचारी सेवा काल के दौरान मिसिंग जीपीएफ एंट्री का ऑनलाइन सुधार कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का यह स्पष्ट दृष्टिकोण है कि राज्य शासन का प्रत्येक निर्णय आम जन और कर्मचारियों के हित में हो। यह डिजिटल पहल कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा, प्रक्रिया में पारदर्शिता और त्वरित निपटान की दिशा में एक सशक्त कदम है, जो छत्तीसगढ़ को ई-गवर्नेंस की अग्रणी श्रेणी में स्थापित करता है।

कई राज्यों में गर्मी का प्रकोप जारी, दक्षिण में भीषण बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली,12 जून (ए)। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिणी राज्यों में शामिल आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना और पुदुचेरी मानसून सक्रिय अवस्था में रहने की संभावना है. इससे आज से अगले एक दो दिनों के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने का अनुमान है.

गोवा और कोंकण में कुछ स्थानों पर बृहस्पतिवार और शुक्रवार को भीषण बारिश होने का अनुमान है. इसके विपरीत पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र सहित उत्तर-पश्चिमी और मध्य भारत में अगले एक दो दिनों के दौरान कुछ स्थानों पर सामान्य से भीषण गर्मी पड़ने का अनुमान है.

जम्मू-कश्मीर, पंजाब, पश्चिमी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश में कई स्थानों पर भीषण गर्मी की स्थिति बनी रही. हिमाचल प्रदेश, हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली में कई स्थानों पर भीषण गर्मी की स्थिति बनी रही. उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान और पूर्वी मध्य प्रदेश में कुछ स्थानों पर भीषण गर्मी की स्थिति बनी रही.

पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी राजस्थान के कुछ स्थानों पर रात में गर्म से लेकर अत्यधिक गर्म मौसम की स्थिति बनी रही. पंजाब, पूर्वी उत्तर प्रदेश और हरियाणा के कुछ स्थानों पर रात में गर्म मौसम की स्थिति बनी रही.

तेलंगाना, केरल और माहे में कुछ स्थानों पर भारी बारिश हुई. उत्तराखंड, ओडिशा, असम, त्रिपुरा, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु पुडुचेरी और कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कुछ स्थानों पर भारी बारिश हुई.

मध्य महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मराठवाड़ा, तमिलनाडु के कई हिस्सों आंधी आई. पूर्वोत्तर राज्यों में आंधी तूफान ने लोगों को परेशान किया. जम्मू, झारखंड, बिहार, ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर आंधी आई.

केरल, माहे, कर्नाटक, लक्षद्वीप में अधिकांश स्थानों पर आज से अगले एक दो दिनों के दौरान मध्यम बारिश होने के आसार हैं. आज और कल तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश,कर्नाटक, यनम, रायलसीमा, तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर सामान्य से भारी बारिश के साथ गरज, बिजली, आंधी आने की संभावना है.

गुजरात में 14-16 जून के दौरान गरज के साथ बौछारें पड़ने और 12-14 जून के दौरान मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, कोंकण और गोवा में अलग-अलग स्थानों पर सामान्य से भारी बारिश के साथ तेज हवा चलने की संभावना है.

उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, ओडिशा में अलग-अलगह हिस्सों में आज से एक दो दिनों के दौरान सामान्य से भारी बारिश होने के आसार हैं. मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड में भी इस दौरान कुछ जगहों पर गरज के साथ छींटे पड ? की संभावना है.

उत्तर-पश्चिम भारत में आज से अगले एक दो दिनों के दौरान कुछ स्थानों पर हल्की से भारी बारिश होने की संभावना है. हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान में कुछ जगहों पर गरज के साथ बौछारें पड ? का अनुमान है. हालांकि उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर भीषण बारिश होने का अनुमान है.

अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर आज से दो तीन दिनों के दौरान हल्की से भारी वर्षा हो सकती है.

उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में अधिकतम तापमान में अगले तीन दिनों के दौरान को बड़ा परिवर्तन नहीं होने का अनुमान है. वहीं आज पूर्वी भारत में अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाम नहीं आने वाला है. देश के बाकी हिस्सों में अधिकतम तापमान में कोई बड़ा उतार चढ़ाव नहीं होने की उम्मीद है.

जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली में कई स्थानों पर एक दो दिनों के दौरान भीषण गर्मी पड ? का अनुमान है. हिमाचल प्रदेश, पूर्वी राजस्थान में कई स्थानों पर आज हीटवेव की स्थिति बहुत संभावित है. इस दौरान पश्चिमी राजस्थान में कुछ स्थानों पर लू की स्थिति बहुत संभावित है. बिहार, असम और मेघालय के कुछ हिस्सों में आज मौसम गर्म रहने का अनुमान है.

पहला कालम

सिख धर्म के छठवें गुरु हरगोबिंद साहेब का हर्षोल्लास से मना प्रकाश परब

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

गुरुद्वारा गुरु सिंघ सभा बिश्रामपुर में सिख धर्म के छठवें गुरु श्री गुरु हरगोबिंद साहेब जी का प्रकाश परब साध संगत व श्रद्धा भाव से मनाया गया। उनका जन्म अमृतसर के पास वडाली ग्राम में हुआ था। सभी मानव जन गुरु साहेब जी के साम्राज्य एवं आध्यात्म के धनी व्यक्तित्व से प्रेरणा लेते हैं। गुरु जी बाल अवस्था से ही दीन दुखियों की मदद, सहयोग में तत्पर रहते थे। साथ ही युद्ध कला में भी उनका कोई सामी नहीं था। उन्होंने दीन दुखियों व धर्म की रक्षा हेतु सेना तैयार कर सिख धर्म में सैन्य शक्ति की अवधारणा को प्रस्तुत किया। श्री गुरु हरगोबिंद साहेब जी का प्रकाश परब मनाने में हजूरी जत्थे में करनेल सिंघ, हरदेव सिंघ, मनप्रीत सिंघ ने कीर्तन व कथा द्वारा गुरु जी के जीवन पर प्रकाश डाला। इसके उपरांत मिसी रोटी व लस्सी का लंगर चलाया गया। साध संगत, महिला समिति, युवा समिति एवं प्रबंधक कमेटी ने बड़ी ही सदभावना से सेवा की प्रबंधक कमेटी हजूरी जत्थे व सेवादारों को सेवा के लिए धन्यवाद देती है।

इस दौरान सेवादार बक्सीश मान, दलजीत सिंघ, जसवीर सिंघ, परमजीत सिंघ पम्मे, सुखदेव सिंघ, रणवीर सिंघ भामरा, अवतार सिंघ मान, मंजीत सिंघ भामरा, इंदरजीत सिंघ, मंजीत सोहेल, इंदरपाल सिंघ भामरा, प्रिंसराज ढिल्लो, प्रताप सिंघ, निंदर सिंघ, शानू, निक्कू, आनंद चावला, सोनू, अंकित बग्गा, अमन बग्गा, जस्सी, परमजीत सिंघ जूनियर व अन्य मौजूद रहे।

अनियंत्रित कार दरभगुड़ा के पास पलटी 1 की मौत 3 घायल

दंतेवाड़ा। जिले के नेशनल हाईवे-30 पर ग्राम दरभगुड़ा के पास आज गुरूवार सुबह एक तेज रफ्तार कार मोड़ पर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। यह कार दंतेवाड़ा से कोंटा की ओर जा रही थी, जिसमें चार परीक्षार्थी बी.एड. की परीक्षा देने जा रहे थे। इस हादसे में 26 वर्षीय त्रिवेणी बघेल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य तीन जिसमें दो परीक्षार्थी और वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को कोंटा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है।

मोदी सरकार ने 11 वर्षों में जो किया, वह कांग्रेस 60 वर्षों में नहीं कर सकी-ओ. पी. चौधरी

ओ.पी. चौधरी ने पत्रकार वार्ता में प्रस्तुत किया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की 11 वर्षों की ऐतिहासिक उपलब्धियाँ

अंबिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के ११ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे "संकल्प से सिद्धि अभियान" अंतर्गत मुख्य अतिथि वित्त व जिले के प्रभारी मंत्री ओ पी चौधरी के मुख्य आतिथ्य, भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की अध्यक्षता एवं सांसद चिंतामणि महाराज, विधायक प्रबोध मिंज, विधायक रामकुमार टोप्पो , महापौर मंजूषा भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह के विशेष आतिथ्य में संकल्प भवन भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया ।

प्रेस को सम्बोधित करते हुए मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने एक नई दिशा, नई गति और नए सोच के साथ विकास यात्रा को रफ्तार दी है। सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की त्रिसूत्रीय नीति पर केंद्रित यह सरकार हर वर्ग को साथ लेकर च्विकसित भारतज की ओर अग्रसर है। मोदी सरकार ने ११ वर्षों में जो किया, वह कांग्रेस ६० वर्षों में नहीं कर सकी, कांग्रेस की साजिशें बेनकाब होंगी और जनता उन्हें जवाब देगी। केंद्र सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि भारत आज पाँचवीं नहीं, तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। रुपये की ताकत, विदेशी निवेश, उत्पादन (मेक इन इंडिया) और व्यापार के नए कीर्तिमान स्थापित किए गए हैं।

श्री चौधरी ने कहा कि उज्ज्वला योजना से ३६.७६ लाख गैस कनेक्शन, आयुष्मान भारत के तहत ८१ लाख से अधिक कार्डधारी, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से छत्तीसगढ़ के २६ लाख से अधिक किसानों को १३,००० करोड़ की सहायता, प्रधानमंत्री आवास योजना से ग्रामीण और शहरी गरीबों को पक्के घर, धान की रिकॉर्ड खरीद (१४९ लाख मीट्रिक टन), जैविक खेती का विस्तार, किसानों के लिए फसल बीमा योजना, सॉयल हेल्थ कार्ड, मृदा परीक्षण लैब का सुदृढ़ीकरण, जनजातीय गौरव दिवस की शुरूआत, ८२० एकलव्य मॉडल स्कूल, डिजिटल शिक्षा के लिए स्मार्ट क्लासरूम व टैबलेट वितरण एवं आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य व पोषण केंद्रों की स्थापना की गई है।

आगे उन्होंने कहा कि करोड़ युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण, १.६ लाख से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत, जिनसे १७.६ लाख नौकरियाँ सृजित हुईं, नए मेडिकल कॉलेज, एम्स और आईआईटी आईआईएम

जैसे संस्थान विकसित हुए, जन औषधि केंद्रों के माध्यम से किफायती दवाइयाँ, मेडिकल सीटों में ११० प्रतिशत वृद्धि, छात्रवृत्ति, डिजिटल यूनिवर्सिटी की पहल, ३८ लाख से अधिक लोगों को आयुष्मान योजना से इलाज मिला, ३.८ लाख करोड़ रुपये की लागत से ३७ राजमार्ग परियोजनाएँ, ९९ प्रतिशत गाँवों को ऑल वेदर सड़कों से जोड़ा गया तथा रेलवे, मेट्रो और हवाई अड्डों का तीव्र विस्तार हुआ है। आगे उन्होंने कहा कि डिजिटल लेन-देन में भारत का विश्व में पहला स्थान है , ऐप के माध्यम से आम नागरिकों को तकनीक से जोड़ा गया एवं ई-गवर्नेंस से पारदर्शिता बढ़ी है । रक्षा और रणनीतिक पहल जानकारी देते हुए श्री चौधरी ने कहा कि अनुच्छेद ३७० हटाकर जम्मू-कश्मीर को मुख्यधारा में जोड़ा गया, सेनाओं को आधुनिक हथियार, बुलेटप्रूफ जैकेट, एयरक्राफ्ट की आपूर्ति तथा और एलओसी पर संरचनात्मक निर्माण किए गए हैं। पर्यावरण संरक्षण एवं ऊर्जा के क्षेत्र में २.५ करोड़ पौधारोपण, जलवायु समझौते में सक्रिय भागीदारी, सौर ऊर्जा, बायोफ्यूल, और हाइड्रोजन मिशन की शुरूआत, ४२ प्रतिशत ऊर्जा उत्पादन अक्षय स्रोतों से किये जा रहे हैं । प्रेस को संबोधित करते हुए अपने प्रस्तावना उद्बोधन में भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि आज का दिन हम सबके लिए गौरव का विषय है कि देश ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में ११ वर्षों की विकास यात्रा पूरी की है। यह केवल सरकार की उपलब्धियाँ नहीं, बल्कि जनभागीदारी से गढ़ी गई एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत की नींव है। अतिथियों एवं मीडिया कर्मियों का आभार संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम के जिला प्रभारी रजनीश पांडेय ने की। इस अवसर पर भाजपा वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर, पूर्व जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, जिला महामंत्री देवनाथ सिंह, जिला सह संवाद प्रमुख रूपेश दुबे, मयंक जायसवाल, सचिन अग्रवाल , अभय साहू मीडिया प्रतिनिधि एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

भाजपा ने मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर अमृतकाल विषयक पर संकल्प से सिद्धि तक कार्यशाला का आयोजन

बसंतपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

बलरामपुर जिले के वाड्फनगर में भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के ११ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में "अमृतकाल" विषय पर भाजपा मण्डल वाड्फनगर संकल्प से सिद्धि तक कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वाड्फनगर विकासखण्ड के शिवशक्ति लॉज में संपन्न हुआ।इस अवसर पर भाजपा जिला संगठन से नियुक्त इस कार्यक्रम के मण्डल प्रभारी शैलेश गुप्ता, मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र द्विवेदी, वरिष्ठ भाजपा नेता गोपल कश्यप , मण्डल उपध्यक्ष - विजेंद्र यादव , पवन गुप्ता, अमरजीत श्यामले , महामंत्री अनिरुद्ध यादव , मण्डल कोषाध्यक्ष - सत्यप्रकास जायसवाल , अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष अब्दुल अंसारी , मण्डल मंत्री ओमप्रकास

कनोजिया , जनपद सदस्य - नेवाजो आयाम, प्रियंका सिंह , नगर पंचायत अध्यक्ष मान सिंह, पार्षद रामकुमार कुशवाहा (इस कार्यक्रम मण्डल सहप्रभारी), पार्षद शारदा भगत , महिला मोर्चा मण्डल महामंत्री श्रीमती अंजु कुशवाहा, कृष्ण कुशवाहा, रूपचंद कुशवाहा, शिवकुमार कुशवाहा, जगदीश कुशवाहा, मानिकराम कुशवाहा, प्रमोद कश्यप , भूपेंद्र ठाकुर , विरेन्द्र यादव, मनोज पटेल, नरेंद्र पटेल, डॉ अश्वनि चौबे, बसन्त कनोजिया, सुरेन्द्र यादव , चंदा कुशवाहा, रौशनी यादव , रामचरण आयाम, सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यशाला में शैलेश गुप्ता मण्डल प्रभारी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भाजपा की ११ वर्षो की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं, भारत की वैश्विक छवि, डिजिटल प्रगति, आत्मनिर्भर भारत अभियान और जन-जन तक विकास पहुंचाने के संकल्प पर विस्तार से चर्चा की।भाजपा मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र द्विवेदी ने नरेन्द्र मोदी की सरकार के ११ वर्षो के कार्यकाल मे हुएं कार्यो को विस्तार से गिनाया और कहा कि जो कांग्रेस सरकार ने ७० सालों में नहीं किया वह मोदी सरकार मे हुआ है , काश्मीर ३७० को लेकर बताया कि वहां किस तरह लोग रहते थे।और पार्टी संगठन को मजबूत बनाने, आगामी चुनावों के लिए बूथ स्तर तक तैयारी करने तथा केंद्र सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प भी लिया।भाजपा कार्यकताओं ने इस अवसर को "अमृतकाल" के रूप में रेखांकित करते हुए भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में सभी की भागीदारी को आवश्यक बताया।

भाजपा का यह कार्यक्रम आगे जाकर शक्तिकेंद्र स्तर से बुथ स्तर तक होगा ।सभी मंडल पदाधिकारी एवं कार्य समिति सदस्य , शक्ति केंद्र के प्रभारी , संयोजक , सह संयोजक , पोलिंग बुथ के अध्यक्ष और जन-प्रतिनिधि गण कार्यक्रम में सम्मिलित होकर कार्यकताओं का उत्साहवर्धन किया। इस कार्यशाला में मंडल के कार्यकताओं, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समाज के जागरूक नागरिकों ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। सभी ने संकल्प लिया कि मोदी सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुँचाने का कार्य पूरी निष्ठा और लगन से करेंगे।

कार्यशाला के समापन पर उपस्थित सभी जनों ने विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने हेतु एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन पवन कुमार गुप्ता द्वारा किया गया ।

सीजीपीएससी की तैयारी और संघर्ष पर आधारित पहली छत्तीसगढ़ी वेब सीरीज सरकारी अफसर का पहला एपिसोड आज होगा रिलीज

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

छत्तीसगढ़ की कोचिंग गलियों और युवा सपनों को पर्दे पर लाने वाली ऐतिहासिक पहल के रूप में सरकारी अफसरः मंजिल नहीं, शुरूआत है नामक छत्तीसगढ़ी वेब सीरीज का पहला एपिसोड़ १३ जून को एनवी एंटरटेनमेंट यूट्यूब चैनल पर लिलीज हो रहा है। यह वेब सीरीज केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह प्रदेश के उन हजारों युवाओं की आवाज है जो सीजी पीएससी जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं की तैयारी के दौरान संघर्ष और आत्म-संशय से जूझते हैं। छत्तीसगढ़ी सिनेमा जगत के लिए यह वेब सीरीज एक नए युग की शुरूआत मानी जा रही है। इसका निर्माण सोन मछरी जैसे लोकप्रिय गीत की निमार्ता नीरा वर्मा के प्रोडक्शन हाउस द्वारा किया गया है, जबकि निर्देशन की कमान संभाली है। सरकारी अफसर की कहानी बिलासपुर के गांधी चौक पर आधारित है—एक ऐसा इलाका जिसे छत्तीसगढ़ का च्चुखर्जी नगरज कहा जाता है। हर साल यहां हजारों विद्यार्थी सीजी पीएससी और अन्य

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पहुंचते हैं। यह वेब सीरीज उन्हीं छात्रों के जीवन, उम्मीदों, रिश्तों और हौसले की कहानी कहती है।मुख्य किरदारों में हैं चर्चित अभिनेता अनिल सिन्हा, जिन्हें फूफू के नाम से जाना जाता है और जिन्होंने हंडा व दस्तावेज जैसी छत्तीसगढ़ी फिल्मों में अपनी पहचान बनाई है। उनके साथ नजर आएंगे वैष्णवी जैन (कांकेर), जो यादव जी के मधु जी से प्रसिद्ध हुई थीं, साथ ही अमन सागर, हर्षवर्धन पटनायक, क्रांति दीक्षित, सुरेश गोंडले और विक्रम राज जैसे प्रतिभाशाली कलाकार भी सीरीज को सशक्त बनाते हैं।

अखिलेश और सुमन की प्रेरणादायक यात्रा

कहानी के केंद्र में है अखिलेश—एक गरीब किसान का बेटा, जो अपने पिता के ख्वाबों को साकार करने बिलासपुर आता है। यहां उसकी मुलाकात होती है प्रीतम और रवि से, जो खुद भी सीजी पीएससी की तैयारी में लगे हुए हैं। वहीं उसे कोचिंग संस्थान में सुमन मिलती है—एक अनाथ लड़की जो अपने दत्तक परिवार की उपेक्षा और समाज की चुनौतियों से जूझते हुए अपनी पहचान बना रही है। दोनों के बीच बना भावनात्मक रिश्ता, सिर्फ प्रेम की कहानी नहीं है, बल्कि यह दो आत्माओं का मिलन है, जो अपने-अपने संघर्षों में एक-दूसरे का संबल बनते हैं। यह वेब सीरीज इस रिश्ते को बेहद संवेदनशीलता और यथार्थ के साथ प्रस्तुत करती है।

केंद्रीय चिकित्सालय में रक्तदान शिविर का आयोजन कल

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

एसईसीएल केंद्रीय चित्सालय के तत्वावधान में शनिवार १४ जून को प्रातः दस बजे से दो बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। एसईसीएल केंद्रीय चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर निरंजन कुमार ने बताया कि रक्तदान शिविर का शुभारंभ क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ संजय सिंह करेंगे।उन्होंने आमजनो से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान शिविर में उपस्थित हो रक्तदान करने की अपील की है।उन्होंने बताया कि रक्तदान से जरूरतमंद को समय पर रक्त देकर उसकी जान बचाई जा सकती है जबकि रक्तदान करने वाले को भी इसका लाभ प्राप्त होता है एक यूनिट रक्तदान से शरीर में ६५० कैलोरी बर्न होती हैं।रक्तदान से हार्ट अटैक सहित गंभीर बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।उन्होंने बताया कि कोई भी महिला पुरुष जिसकी आयु १८ से ६५ वर्ष हो और वजन ५० किलोग्राम से अधिक हो वह रक्तदान कर सकता है।

सीआईएल कर्मचारियों के लिए अनिवार्य ड्रेस कोड जुलाई से लागू

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

कोल इंडिया लिमिटेड के कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। जुलाई २०२५ से ड्रेस कोड अनिवार्य रूप से लागू किया जाएगा। सीआईएल प्रबंधन ने इस संबंध में औपचारिक आदेश जारी कर दिया है। यह फैसला कर्मचारियों की पहचान व कंपनी की छवि को एकरूपता देने के उद्देश्य से लिया गया है।सीआईएल के महाप्रबंधक (कार्मिक) गौतम बनर्जी द्वारा ६ जून को जारी किए गए पत्र में ड्रेस कोड की स्पष्ट समय सीमा और दिशा निर्देश निर्धारित किए गए हैं। इस आदेश की प्रति सभी सहायक महाप्रबंधकों (एपीएम) और मानव संसाधन विभाग के प्रमुखों को भेज दी गई है, जिन्हें अपने-अपने क्षेत्र में इस नीति का प्रचार-प्रसार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बताया जा रहा है कि १५ जून से ड्रेस कोड के लिए धनराशि का भुगतान शुरू होगा। कर्मचारियों को निर्धारित राशि कंपनी द्वारा या स्वयं वहन कर कपड़े खरीदने की अनुमति दी गई है। १४ जुलाई तक कर्मचारियों को ड्रेस को सिलवाकर तैयार रखना अनिवार्य होगा। जुलाई के अंतिम सप्ताह से सभी कर्मचारियों को ड्रेस कोड के अनुसार कार्यस्थल पर उपस्थित होना अनिवार्य किया गया है।हालांकि अभी तक ड्रेस के रंग, डिजाइन और सामग्री को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन सूत्रों के अनुसार यह ड्रेस कोड पेशेवर लुक को बढ़ावा देगा और हर पद के लिए अलग-अलग रंग या डिजाइन तय किए जा सकते हैं, जिससे कार्यस्थल पर अनुशासन और एकरूपता का माहौल बने। ड्रेस कोड लागू किए जाने को लेकर कर्मचारियों के बीच मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। कई कर्मचारियों ने इसे स्वागत योग्य पहल बताया है, जो कंपनी की एकजुटता को प्रदर्शित करेगा, जबकि कुछ इसे व्यावहारिक कठिनाइयों के नजरिए से देख रहे हैं।सीआईएल के अधिकारी इस समय ड्रेस कोड को लेकर क्षेत्रीय स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित करने की तैयारी कर रहे हैं, जिससे सभी कर्मचारियों को इस बदलाव की जानकारी दी जा सके। साथ ही कई जगहों पर चयनित दुकानों के माध्यम से सामूहिक कपड़ा उपलब्धता और दर्जी सेवाएं भी सुनिश्चित की जा रही हैं।

स्कूलों व शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण में लापरवाही बरतने वाले गीदम बीईओ निलंबित

दंतेवाड़ा। जिले के गीदम बीईओ शेख रफीक को स्कूलों और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण में लापरवाही भारी पड़ा। मामला सामने आने के बाद बीईओ शेख रफीक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इस संबंध में कलेक्टर कार्यलय से आदेश जारी किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार जांच में बीईओ शेख रफीक ने कुटरचना करते हुए जान बूझकर विकासखंड की 31 आश्रम शालाओं के रिक्त पदों को युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया से अलग रखा, जिससे 20 शिक्षकों को अन्य संस्थानों में काउंसलिंग के माध्यम से संस्था चुननी पड़ी, इसके अलावा शिक्षकों की वरिष्ठता सूची में मनमाने तरीके से फेरबदल किया गया।

आश्रम अधीक्षकों को अतिशेष से मुक्त रखा जाना था, लेकिन इसका पालन नहीं किया गया। वहीं विशिष्ट संस्थाओं में कार्यरत शिक्षकों और शासन के निदेर्शानुसार दिव्यांग व्यक्तियों को भी युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया से अलग रखा जाना था, लेकिन बीईओ ने इन्हें भी प्रक्रिया में शामिल कर दिया।

बिलासपुर स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहा है स्टेशन पुनर्विकास कार्य

बिलासपुर। बिलासपुर रेलवे स्टेशन, जिसकी स्थापना 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में हुई थी, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का मुख्यालय एवं देश के प्रमुख रेल जंक्शनों में से एक है। यह स्टेशन न केवल यात्री सेवाओं बल्कि रेल परिचालन की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहां स्थित इलेक्ट्रिक लोकोशेड में बड़ी संख्या में विद्युत इंजनों का रखरखाव एवं संचालन किया जाता है। साथ ही, बीसीएन (ब्रॉड गेज कवरड वैगन) डिपो मालगाडि ?ों की निरंतर आपूर्ति और प्रबंधन में सहयोग करता है, जबकि कोचिंग डिपो यात्री ट्रेनों के रखरखाव, सफाई एवं तकनीकी तैयारियों की प्रक्रिया को अंजाम देता है। इसके अतिरिक्त, बिलासपुर में स्थित गुड्स शेड आसपास के क्षेत्रों के लिए आवश्यक वस्तुओं जैसे खाद्यान्न, खाद, कपड़े तथा अन्य उपभोक्ता वस्तुओं के लदान और परिवहन को सुव्यवस्थित करता है। वर्तमान में यहां वंदे भारत ट्रेनों के अनुरक्षण हेतु एक उन्नत मेंटेनेंस डिपो का निर्माण किया जा रहा है, जिससे उच्च गति की ट्रेनों की सेवा एवं संचालन में और अधिक दक्षता सुनिश्चित की जा सकेगी। इन सभी सुविधाओं की उपस्थिति बिलासपुर को रेलवे परिचालन का एक सशक्त और रणनीतिक केंद्र बनाती है। वर्तमान में बिलासपुर स्टेशन पर यात्री सुविधाओं और परिचालनिक आवश्यकताओं से संबंधित कई कार्य प्रगति पर हैं, जिनसे यात्रियों को बेहतर अनुभव और रेलवे को अधिक दक्षता प्राप्त होगी।

इसी क्रम में, बिलासपुर रेलवे स्टेशन से कटनी, नागपुर एवं झारसुगुड़ा की तीन प्रमुख दिशाओं में ट्रेनों का नियमित संचालन होता है, जिसके कारण स्टेशन पर क्रॉस मूवमेंट की मात्रा अत्यधिक होती है और यह ट्रेनों की समयबद्धता को प्रभावित करता है। वर्तमान में बिलासपुर यार्ड में 25 से अधिक रेल लाइनें विद्यमान हैं, और यात्री तथा माल यातायात को संरक्षित एवं सुचारु रूप से संचालित बनाए रखने हेतु समय-समय पर यार्ड मॉडिफिकेशन आवश्यक होता है। इसी के तहत लगभग 250 करोड़ रुपये की लागत से यार्ड रीमॉडलिंग का कार्य किया जा रहा है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के लिए ईआई पैनल सिस्टम की स्थापना भी की जा रही है। यार्ड की सतत निगरानी कर संरक्षा और तकनीकी पहलुओं, कमियों की पहचान कर उनका समाधान किया जाता है। इसी कार्य के अंतर्गत ट्रेन मूवमेंट से संबंधित लगभग 70 पॉइंट्स को दुरुस्त किया जाएगा। यार्ड रीमॉडलिंग कार्य के अंतर्गत स्टेशन यार्ड में कई नई लाइनों का निर्माण, बाईपास कनेक्टिविटी, कोचिंग डिपो से डायरेक्ट मूवमेंट, क्लासिफिकेशन यार्ड एवं वीसीएन डिपो से सुगम संपर्क, साथ ही फ्लाईओवर लाइन जैसी आधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त, मौजूदा लाइनों की रीडिजाइनिंग और सिग्नलिंग सिस्टम का उन्नयन किया जा रहा है, जिससे क्रॉस मूवमेंट में कमी आएगी। इन सभी सुधारों के फलस्वरूप ट्रेनों की समयपालन में सुधार के साथ-साथ परिचालन की गति और दक्षता में भी उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित होगी।

वर्तमान में बिलासपुर स्टेशन पर 8 प्लेटफार्म कार्यशील हैं। प्लेटफार्म क्रमांक 1 पर प्रतिदिन 8 दैनिक ट्रेनों के साथ-साथ 9 साप्ताहिक, द्विसाप्ताहिक और त्रिसाप्ताहिक ट्रेनों का संचालन होता है। लगभग एक डेढ़ वर्ष पूर्व दुर्ग एवं रायपुर से कटनी की ओर जाने वाली कुछ ट्रेनें, जो कि प्लेटफार्म 1 से संचालित होती थी, को उसलापुर स्थानांतरित किया गया था।

बिलासपुर स्टेशन पर प्लेटफार्म 1, 2, 3, 4 एवं 5 से थ्रू ट्रेनों का संचालन होता है। क्रॉस लाइन से मेन लाइन पर आने के लिए ट्रेनों को कई पॉइंट और क्रॉसिंग पार करनी पड़ती है, जिसमें समय लगता है।

इस दौरान अन्य लाइनों की ट्रेनों को भी मेन लाइन में आने के लिए इंतजार करना पड़ता है, जिससे समयबद्धता प्रभावित होती है। कोचिंग ट्रेनों की लंबाई कम होती है, जबकि मालगाडि ?ों लंबी होती हैं। यार्ड से ट्रेन मूवमेंट प्लान करते समय क्रॉस मूवमेंट, लूप लाइन की लंबाई एवं ट्रेन की लंबाई इन चीजों का ध्यान रखा जाता है। इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए प्लेटफार्म क्रमांक 1 से डाउन दिशा की ओर, प्लेटफार्म क्रमांक 2 एवं 3 से अप और डाउन दोनों दिशाओं की, और प्लेटफार्म क्रमांक 4 एवं 5 से मुख्यतः अप दिशा की ट्रेनें संचालित की जाती हैं। प्लेटफार्म 6, 7 एवं 8 का उपयोग आमतौर पर यहां से शुरू या समाप्त होने वाली ट्रेनों के लिए किया जाता है। यदि एक ही दिशा की एक से अधिक ट्रेनें एक साथ आती हैं तो उन्हें सुचारू संचालन के लिए अलग-अलग प्लेटफार्म पर लिया जाता है।

छोटी खबरें

सहायक विस्तार अधिकारी भर्ती परीक्षा हेतु उड़नदस्ता दल गठित

कोरबा अम्बिकावाणी - सहायक विस्तार अधिकारी भर्ती परीक्षा का आयोजन १५ जून रविवार को प्रातः १० बजे से दोपहर १२.१५ बजे तक आयोजित होगी। कलेक्टर ने परीक्षा केंद्रों के आकस्मिक निरीक्षण हेतु ०४ उड़नदस्ता दल के गठन हेतु आदेश जारी किए हैं।

जारी आदेश के अनुसार दल क्रमांक ०१ अंतर्गत परीक्षा केंद्र २२००१ से २२०१० तक के निरीक्षण के लिए तहसीलदार दर्री श्री बजरंग लाल साहू, अधीक्षक भू-अभिलेख श्री अमित झा और नायब तहसीलदार कोरबा श्रीमती सविता सिदार को शामिल किया गया है। इसी प्रकार दल क्रमांक ०२ परीक्षा केंद्र २२०११ से २२०२० तक के लिये उप संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा श्रीमती दिशा शुक्ला, नायब तहसीलदार श्री मधुसूदन, सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख श्रीमती श्रद्धा चंद्रा, दल क्रमांक ०३ परीक्षा केन्द्र २२०२१ से २२०३१ तक के लिए उप संचालक पंचायत सुश्री जुली तिर्की, नायब तहसीलदार विमल खांडेकर, खाद्य निरीक्षक श्रीमती उर्मिला गुप्ता और दल क्रमांक ४ परीक्षा केन्द्र २२०३२ से २२०४३ तक के निरीक्षण के लिए सहायक आयुक्त आबकारी आशा सिंह, तहसीलदार लीलाधर ध्रुव एवं अधीक्षक भू-अभिलेख पूजा अग्रवाल की ड्युटी निर्धारित की गई है। उपरोक्त अधिकारी-कर्मचारियों को परीक्षा प्रारंभ होने के आधे घंटे पूर्व अपनी उपस्थिति कलेक्टर कार्यालय में नोडल अधिकारी को अनिवार्य रूप से देने के लिए निर्देशित किया गया है। साथ ही १३ जून को प्रातः ११ बजे शासकीय पीजी कालेज कोरबा में ब्रिफिंग हेतु बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने निर्देशित किया गया है।

भीषण गर्मी, बिजली संकट और रुके विकास कार्यों को लेकर विपक्ष का वार, मुख्यमंत्री को सौंपा गया ज्ञापन

कोरबा अम्बिकावाणी - ऊर्जा नगरी कोरबा भीषण गर्मी, अघोषित बिजली कटौती और ठप विकास कार्यों से जूझ रही है। एक ओर जहां कोरबा देश के कई हिस्सों को बिजली उपलब्ध कराता है, वहीं स्थानीय नागरिक बार-बार बिजली गुल होने से परेशान हैं। हल्की हवा या बूंदाबांदी होते ही घंटों तक अंधेरा छा जाता है। स्थिति यह है कि श्रमिक वर्ग को वैकल्पिक साधन भी उपलब्ध नहीं हैं, जिससे उनका जीवन और कठिन हो गया है।

इन्हीं समस्याओं को लेकर विपक्षी दल के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बिजली संकट के साथ-साथ शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर भी गहरी चिंता व्यक्त की गई है। कहा गया है कि शहर की गलियों में कचरे के ढेर और जाम नालियां आम हो गई हैं, जिससे नागरिकों का जीवन नारकीय होता जा रहा है।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख है कि १२ दिसंबर २०२४ को कोरबा प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा नगर पालिक निगम कोरबा के लिए अधोसंरचना मद से ?२३ करोड़ की घोषणा की गई थी, परंतु अब तक वह राशि जारी नहीं हुई है। परिणामस्वरूप, कोरबा के बहुप्रतीक्षित विकास कार्य अधर में लटक गए हैं। विपक्ष ने मांग की है कि शासन तत्काल हस्तक्षेप कर बिजली आपूर्ति को सुचारु करे, रुके विकास कार्यों में गति लाए और सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करे। प्रतिनिधियों का कहना है कि यदि इन बुनियादी समस्याओं का समय पर समाधान नहीं किया गया तो नागरिकों का जनाक्रोश बढ़ सकता है।

नगरवासियों को उम्मीद है कि ज्ञापन पर शीघ्र संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री एवं प्रशासन कोरबा की समस्याओं को प्राथमिकता देंगे, ताकि यह शहर न केवल ऊर्जा नगरी कहलाए, बल्कि रहने योग्य स्वच्छ और विकसित नगर के रूप में भी पहचाना जाए।

बच्चों से श्रम कराना नहीं, उन्हें सपने दिखाना हमारी जिम्मेदारी : मंत्री राजवाड़े

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने बाल श्रम के प्रति सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि बच्चों से श्रम कराना न केवल अमानवीय है, बल्कि यह एक दंडनीय अपराध भी है। उन्होंने कहा कि बच्चों का स्थान किताबों, खेल के मैदान और परिवार के स्नेह में होना चाहिए, न कि कारखानों, होटलों या दुकानों में। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि आज भी समाज के कई हिस्सों से बाल श्रम और बाल तस्करी की घटनाएं सामने आती हैं, जो चिंताजनक हैं। कुछ लोग थोड़े से लाभ के लिए बच्चों से काम करवाकर न केवल उनका बचपन छीनते हैं, बल्कि उनके भविष्य को भी अंधकार में धकेलते हैं। बच्चों से किया गया कोई भी ऐसा कार्य जो उनके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास में बाधा उत्पन्न करे, कानून की दृष्टि में संगीन अपराध है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा बाल श्रम की रोकथाम के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कोरबा जिले को दी 223 करोड़ की विकास कार्यों की सौगात

199 करोड़ से अधिक राशि के 50 विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमिपूजन, 24 करोड़ से अधिक राशि के 16 कार्यों का हुआ लोकार्पण

कोरबा अम्बिकावाणी - मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज कोरबा जिले के प्रवास के दौरान जिलेवासियों को लगभग २२३ करोड़ ८८ लाख ४१ हजार से अधिक लागत की ६६ विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। श्री साय ने विभिन्न विभागों के अंतर्गत किए जा रहे ६६ विकास कार्यों का लोकार्पण, भूमिपूजन और शिलान्यास किया। इन विकास कार्यों में २४ करोड़ १० लाख ७० हजार से अधिक राशि के १६ कार्यों का लोकार्पण एवं १९९ करोड़ ७७ लाख ७१ हजार से अधिक राशि की ५० कार्यों का भूमिपूजन/शिलान्यास शामिल हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने कन्वेंशन सेंटर में लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा का लोकार्पण किया और कन्वेंशन सेंटर को लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होल्कर के नाम से नामकरण किया।

मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा किए जाने वाली १६ लोकार्पण कार्यों में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अंतर्गत १५ करोड़ ०६ लाख ७७ हजार लागत के ११ कार्यों का लोकार्पण किया। इनमें जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्राम केरवाद्वारी, डूमरडीह, कोरकोमा, कसईपाली, बारी उमरांव, कपोट, नुनेरा, कोटमर्रा, लैंगा, बेतलो और सरपता में एकल ग्राम योजना शामिल है। स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत भैसमा, कुदमुरा और पसान में ७५-७५ लाख की लागत से नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन का निर्माण, नगर पालिक निगम कोरबा के अन्तर्गत ०३ करोड़ ५८ लाख की लागत से स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम विद्यालय एनसीडीसी कोरबा में नवीन भवन/जीर्णोद्धार कार्य, और क्रेड़ा विभाग अन्तर्गत ०३ करोड़ २० लाख ७० हजार ९२० रुपए की लागत से कोरबा जिले के ४७ छात्रावासों/आश्रमों में २.४ किलोवाट क्षमता का सोलर पावर प्लांट स्थापना कार्य शामिल हैं।

भूमि पूजन के कार्यों के अंतर्गत नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा नगर पालिका निगम कोरबा व नगर पालिका परिषद दीपका में डीएमएफ, १५ वें वित्त सहित अन्य मदों से १५ करोड़ ३८ लाख ८५ हजार लागत के ०९ कार्यों का भूमि पूजन/शिलान्यास किया गया। इनमें ०६ करोड़ ६६ लाख ३५ हजार की लागत से १५ वें वित्त अंतर्गत नगर पालिक निगम कोरबा हेतु १०० टीपीडी सालिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट, ०५ करोड़ ७८ लाख एक हजार की लागत से प्रधानमंत्री ई-बस सेवा अंतर्गत दर्री जोन क्रमांक ०६ में सिटी बस डिपो/टर्मिनल कॉंपलेक्स का निर्माण कार्य, ४१ लाख १३ हजार की लागत से १०० वैड हॉस्पिटल में एसएनसीयू हॉल, गैलरी शेड, रैम्प एवं बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य, ६१ लाख की लागत से वार्ड क्रमांक ३२ में प्रशिक्षण हाल निर्माण, वार्ड क्रमांक ३१ में ५० लाख की लागत से प्रशिक्षण हॉल निर्माण, २५ लाख की लागत से अयोध्यापुरी तालाब में जल संवर्धन हेतु निर्माण कार्य, ४२ लाख ३१ हजार की लागत से भू-जल स्त्रोत सुधार के लिए रिचार्ज वेल, डिसिल्टींग, आयल एवं ग्रीस ट्रैपिंग का निर्माण कार्य, नगर पालिका परिषद दीपका अंतर्गत ६८ लाख २० हजार की लागत से निकाय क्षेत्रांतर्गत घरों में पेयजल हेतु सर्विस कनेक्शन प्रदाय कार्य और ०६ लाख ८५ हजार लागत की वार्ड क्रमांक ०६ में टॉवर रोड से गणेश साहू घर तक आरसीसी नाली निर्माण कार्य शामिल हैं।

इसी तरह ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के अंतर्गत जिला खनिज संस्थान न्यास मद से ०३ करोड़ ७२ लाख ०८ हजार की लागत से ०७ कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इनमें ०१ करोड़ ८४ लाख ६८ हजार की लागत से विकासखंड स्तर पर ०४ ट्रेनिंग हॉल, ४९ लाख ९८ हजार की लागत से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रजगामार में ०१ प्रयोगशाला कक्ष, ३० लाख ६५ हजार की लागत से प्राथमिक शाला हेतु ०२ नवीन भवन, ३३ लाख २० हजार की लागत से माध्यमिक शाला हेतु ०२ नवीन भवन निर्माण, ३६ लाख ९० हजार की लागत से शासकीय उप स्वास्थ्य केन्द्र नोनदरहा हेतु नवीन भवन निर्माण, २६ लाख ६७ हजार की लागत से खाद भंडारण केन्द्र कटघोरा में अहाता निर्माण और १० लाख की लागत से कलमींटकिरा से बरपाली आर.डी. २ किलोमीटर में पुलिया निर्माण कार्य शामिल है। जल संसाधन विभाग अंतर्गत ०२ करोड़ ७९ लाख ३२ हजार की लागत से तेन्दुभाठा एनीकट और ०२ करोड़ ८९ लाख १३ हजार की लागत से हाउसिंग बोर्ड कालोनी उरगा के पास डोमनाला स्टापडेम का निर्माण कार्य, कार्यपालन अभियंता मिनीमाता बांगो बांध संभाग क्र. ३ माचाडोली अंतर्गत मिनीमाता (हसदेव) बांगो परियोजना के तहत ०३ करोड़ ०२ लाख २५ हजार की लागत से कोरबा जिले के मिनीमाता बांगो बांध परिक्षेत्र में स्थित आई.बी.(निरीक्षण गृह) का जीर्णोद्धार कार्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के तहत ०१ करोड़ १९ लाख ७८ हजार की लागत से पोंड़ी उपरोड़ा से जिला खनिज संस्थान न्यास से स्वीकृत लेपरा मार्ग के २७४ मीटर लंबाई में पुर्ननिर्माण एवं रिटर्निंग वॉल निर्माण कार्य, छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय उर्जा विकास अभिकरण अंतर्गत ०२ करोड़ ६८ लाख ८९ हजार १०० की लागत से विभिन्न स्थलों में ५० नग सोलर हाईमास्ट संयंत्र स्थापना कार्य, ०२ करोड़ १४ हजार ३५० की लागत से ५० उप स्वास्थ्य केन्द्रों में १.२ किलोवाट क्षमता का सोलर पावर प्लांट स्थापना कार्य और लोक निर्माण विभाग अंतर्गत १६६ करोड़ ०७ लाख २७ हजार की लागत से पुल-पुलिया, सड़क, भवन निर्माण, पहुंच मार्ग निर्माण सहित कुल २८ कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव, उद्योग,वाणिज्य और श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन, विधायक प्रेमचंद पटेल, महापौर संजू देवी राजपूत आदि उपस्थित थे।

पहाड़ी कोरवा एवं बिरहोर समाज के 42 शिक्षित युवाओं ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

अतिथि शिक्षकों को यथावत रखने की मांग

कोरबा अम्बिकावाणी - विशेष पिछड़ी जनजाति के शिक्षित युवाओं ने अपनी नौकरी बचाने तथा शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाएं जारी रखने की मांग को लेकर कोरबा में मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा है। यह ज्ञापन जिला प्रशासन के माध्यम से सौंपा गया जिसमें ४२ पहाड़ी कोरवा एवं बिरहोर समाज के युवाओं ने हस्ताक्षर कर अपनी बात रखी। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि वर्ष २०२४-२५ में जिला खनिज न्यास मद के अंतर्गत कोरबा जिले की प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में विशेष पिछड़ी जनजाति—पहाड़ी कोरवा और बिरहोर समुदाय के शिक्षित युवाओं को अतिथि शिक्षक के रूप में कार्य करने का अवसर प्रदान किया गया था। यह नियुक्ति ३० अप्रैल २०२५ तक प्रभावशील रही। युवाओं का कहना है कि वर्तमान में उनके पास किसी भी प्रकार का रोजगार उपलब्ध नहीं है और वे आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। उन्होंने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में उन्हें जो अवसर मिला था, उससे न केवल उन्हें रोजगार मिला बल्कि वे अपने समुदाय के बच्चों को शिक्षित कर समाज को मुख्यधारा से जोड़ने का काम भी कर रहे थे। ज्ञापन में विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया गया कि यदि इन्हें पूर्व की तरह पुनः कार्य पर रखा जाए या नियमित किया जाए, तो न केवल उनका भविष्य सुरक्षित होगा, बल्कि आदिवासी समुदाय में शिक्षा के प्रति जागरूकता भी और बढ़ेगी।

शिक्षित युवाओं ने यह भी कहा कि यदि उनकी सेवाएं रोकी जाती हैं तो वे पुनः बेरोजगारी की स्थिति में आ जाएंगे, जिससे समाज में हताशा फैल सकती है। ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री से अनुरोध किया गया कि अतिथि शिक्षकों को पूर्व संस्था में ही यथावत रखते हुए नियमितीकरण की दिशा में सकारात्मक निर्णय लिया जाए।

समाज के प्रबुद्धजनों ने भी सरकार से अपील की है कि पहाड़ी कोरवा एवं बिरहोर समाज के इन शिक्षित युवाओं को स्थायित्व प्रदान कर शिक्षा के क्षेत्र में इनकी भागीदारी बनाए रखी जाए। यह कदम समाज की शिक्षा स्थिति को सुधारने में मील का पत्थर साबित होगा।

1 जुलाई से तत्काल टिकट आरक्षण के लिये अब आधार सत्यापित ओटीपी अनिवार्य

रायपुर। यात्रियों को तत्काल टिकट निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से सुलभ कराने और उनके हितों की रक्षा के लिए भारतीय रेलवे ने तत्काल टिकट बुकिंग प्रणाली में महत्वपूर्ण संशोधनों की घोषणा की है। इनका उद्देश्य उपयोगकर्ता सत्यापन बढ़ाना और योजना का दुरुपयोग रोकना है। नए प्रावधान में निम्नलिखित व्यवस्था की गई है:*

1. ऑनलाइन तत्काल बुकिंग के लिए आधार सत्यापन:*
एक जुलाई 2025 से, भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की आधिकारिक वेबसाइट और मोबाइल ऐप द्वारा तत्काल टिकट बुकिंग केवल आधार सत्यापित उपयोगकर्ताओं के लिए ही उपलब्ध होंगे। इसके अलावा, 15 जुलाई 2025 से ऑनलाइन तत्काल बुकिंग के लिए आधार ओटीपी सत्यापन अनिवार्य हो जाएगा।
2. यात्री आरक्षण प्रणाली काउंटर (पीआरएस काउंटर) और एजेंटों द्वारा बुकिंग में सिस्टम-आधारित ओटीपी सत्यापन:
कम्प्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) काउंटरों और अधिकृत एजेंटों के माध्यम से तत्काल टिकटों की बुकिंग के दौरान उपयोगकर्ता के मोबाइल नंबर पर ओटीपी सत्यापन की आवश्यकता होगी। यह प्रावधान भी 15 जुलाई 2025 से लागू होगा।
3. अधिकृत एजेंटों के लिए बुकिंग समय की पाबंदी:
रेल आरक्षण के शुरूआती समय में बल्क (एक साथ बहुत सारे) बुकिंग रोकने के लिए, भारतीय रेलवे के अधिकृत टिकटिंग एजेंटों को बुकिंग विंडो के पहले 30 मिनट के दौरान तत्काल टिकट बुक करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। एसी क्लासों के लिए, यह प्रतिबंध सुबह 10 बजे से 10 बजकर 30 मिनट तक और गैर-एसी क्लास के लिए, सुबह 11 बजे से 11 बजकर 30 मिनट तक लागू होगा। ये बदलाव तत्काल बुकिंग में पारदर्शिता बढ़ाने और सुनिश्चित करने के लिए लागू किए जा रहे हैं कि योजना का लाभ वास्तविक उपयोगकर्ताओं को मिले।

भाजपा नेत्री व साथियों पर आदिवासी युवक से मारपीट और उगाही का आरोप, भाजपा नेत्री व साथियों को बांकी पुलिस के संरक्षण का आरोप- मुख्यमंत्री को सौंपा गया ज्ञापन

कार्रवाई नहीं हुई तो आदिवासी समाज देगा उग्र आंदोलन की चेतावनी

कोरबा अम्बिकावाणी - थाना बांकीमोंगरा परिसर में भाजपा नेत्री ज्योति महंत एवं उनके साथियों द्वारा एक आदिवासी युवक बलवान सिंह कंवर के साथ मारपीट, जातिसूचक गाली-गलौच, और आर्थिक उगाही किए जाने का गंभीर आरोप सामने आया है। इस मामले को लेकर पीड़ित पक्ष ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए निष्पक्ष जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया कि ७ जून २०२५ को शाम करीब ४:३० बजे बलवान सिंह कंवर हरदीबाजार से बैल खरीदकर गजरा होते हुए अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान गजरा रावणभांठा के पास भाजपा नेत्री ज्योति महंत एक मेहंदी रंग की कार में अपने साथियों के साथ पहुंची और बलवान सिंह से झगड़ा करने लगीं। आरोप है कि उन्होंने सड़क जाम करने का आरोप लगाते हुए गाली-गलौच की और बलवान सिंह के सफाई देने व माफी मांगने के बावजूद उसे बंधक बनाकर जबरन मोटरसाइकिल में बैठाकर बांकीमोंगरा थाना ले जाया गया। थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों के सामने बलवान सिंह के साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए मारपीट की गई। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। आरोप है कि ज्योति महंत और उनके सहयोगियों ने बलवान सिंह से २०,००० की मांग की और ४५०० लेकर ही उसे छोड़ा गया।

ज्ञापन में प्रमुख मांगें इस प्रकार हैं :
घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता एवं अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम १९८९ के तहत कार्रवाई की जाए।

पीड़ित बलवान सिंह कंवर को न्याय और सुरक्षा प्रदान की जाए। थाना परिसर में हुई घटना के लिए जिम्मेदार पुलिसकर्मियों की भूमिका की जांच कर उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाए। ज्योति महंत द्वारा पीड़ित पर छेड़छाड़ का झूठा मामला दर्ज कराने के प्रयास की निष्पक्ष जांच की जाए और मामले को खारिज किया जाए। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि यदि शीघ्र और निष्पक्ष कार्रवाई नहीं होती है, तो सर्व आदिवासी समाज और कंवर समाज सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे और कोरबा में उग्र आंदोलन, चक्काजाम और प्रशासनिक कार्यालयों का घेराव किया जाएगा, जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। घटना की गंभीरता को देखते हुए आदिवासी समाज में आक्रोश का माहौल है और सभी ने न्याय की मांग को लेकर एकजुटता दिखाई है।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-/...../अ-20(3)/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक अजय विश्वकर्मा आ०स्व० शोभनाथ विश्वकर्मा जाति लोहार निवासी सदर रोड, अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला सदर रोड नगर अम्बिकापुर सीट-8 स्थित प्लाट नम्बर-2839/1, 2840/3 रकबा 0.01,3/4, 0.001/2 एकड़ भूमि को बिना प्रतिफल लिये अपने पुत्र अनावेदक श्याम विश्वकर्मा आ० अजय विश्वकर्मा जाति लोहार निवासी सदर रोड, अम्बिकापुर, थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के पक्ष में दान करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-27/06/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक-03/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीय पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) राजपुर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

क्रमांक/1455/वाचक/अ0वि0अ0/2025
राजपुर, दिनांक 12/06/2025
रा०प्र०क्र०-/अ-2/2024-25
ग्राम भिलाईखुर्द प०ह०नं० 28,
उप तहसील बरियों

-:: ईश्तहार ::-

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम भिलाईखुर्द उप तहसील बरियों को सूचित किया जाता है, कि आवेदक हरप्रीत सिंह आ० जसविन्दर सिंह जाति- सीख, निवासी ग्राम अम्बिकापुर, तहसील-अम्बिकापुर, जिला सरगुजा(छ० ग०) द्वारा अपने नाम की भूमि जो ग्राम भिलाईखुर्द, प०ह०नं०- 28, रा०नि०भ० बरियों में स्थित भूमि स्वामित्व हक की भूमि खसरा नं०-150 कुल रकबा 0.4210 है० में से रकबा 0.256 है० भूमि को कृषि प्रयोजन से भिन्न औद्योगिक प्रयोजन (क्रेशर संचालन) में व्यवसर्ग कराने बाबत आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को उक्त आपत्ति या दावा हो वह स्वयं या किसी मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अधिकर्ता के माध्यम में अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में दिनांक 27/06/2025 न्यायालयीन समय में पेश कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन मुद्रा द्वारा जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
राजपुर
जिला-बलरामपुर-रा.गंज (छ०ग०)

अम्बिकावाणी

बैकुण्ठपुर, शुक्रवार 13 जून, 2025

परमात्मा में दृढ़ विश्वास का अर्थ है- निर्भयता।

0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

तथ्यों को दबाना संभव नहीं

तथ्यों को दबाना संभव नहीं होता और वे किसी न किसी रास्ते बाहर आ ही जाते हैं। 'ब्लूमबर्ग टीवीझ को दिये एक साक्षात्कार में जनरल चौहान ने पड़ोसी देश के साथ चार दिन तक चले सैन्य संघर्ष में साफ ब्योरा न देते हुए भारतीय पक्ष को हुए नुकसान की एक तरह से स्पष्ट स्वीकारोक्ति की है।

उनका कहना था विमान गिरे यह महत्त्वपूर्ण नहीं है, क्यों गिरे यह जानना जरूरी है। प्रारंभिक नुकसान के कारणों का पता लगाने के बाद भारत ने अपनी रणनीति में सुधार किया, लंबी दूरी का लक्ष्य कर अपने सभी लड़ाकू विमान उड़ाए और पाकिस्तान में काफी अंदर तक सटीक हमले किए जिससे पाक संघर्ष विराम की गुहार लगाने पर मजबूर हुआ। हालांकि उन्होंने छह भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराने के पाकिस्तान के दावे को 'सरासर गलतझ बताया। जनरल चौहान की टिप्पणी से वायुसेना के वायु संचालन महानिदेशक, एयर मार्शल ए के भारती की उस बात को भी बल मिला कि 'नुकसान लड़ाई का एक हिस्सा हैझ भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में छह मई की देर रात 'ऑपरेशनसिंदूर के तहत ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल जैसी लंबी दूरी की मिसाइल का इस्तेमाल करके पाकिस्तान के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में आतंकियों के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया। हमले के बाद चार दिन तक सैन्य टकराव हुआ।

दोनों देशों के बीच दस मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी। इस सारे मामले में विपक्ष और देशवासियों को सही तथ्यों से अनभिज्ञ रखने की केंद्र सरकार की नीति सवालों के घेरे में है। अमेरिका के बड़बोले राष्ट्रपति के भारत-पाक में सीजफायर कराने के दावों ने पहले हास्यास्पद स्थिति पैदा की हुई है। वायु सेना प्रमुख की हाल में रक्षा उपकरणों को लेकर किए गए वादों को समय से पूरा न करने संबंधी टिप्पणी भी चिंताजनक है। सीडीएस की टिप्पणी के बाद कांग्रेस पार्टी ने सरकार से कहा है कि वह देश को सच-सच बताए कि पाकिस्तान के साथ चार दिन तक सैन्य टकराव में कितना नुकसान हुआ। पार्टी ने 1999 में करगिल समीक्षा समिति के गठन की तर्ज पर समीक्षा समिति का सवाल उठाया है। रक्षा विशेषज्ञ 'उपयुक्त युद्ध सामग्री नहीं होने के कारणझ सैन्य संघर्ष की पहली रात नुकसान होने की बात कह रहे हैं। सब कुछ बहुत उलझा हुआ और चिंताजनक है।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को सिंगापुर में जो कहा है वह सबकी आंखें खोल देने वाला है। इससे साबित होता है कि जब दो देशों के बीच छिटपुट सैन्य संघर्ष की स्थिति हो तो ऐसे में असत्य अवधारणाओं और समर्थक मीडिया के सहारे ही बढ़त नहीं ली जा सकती।

चुप्पी से सुरक्षा तकः मोदी सरकार के शासन में कानूनी सुधारों ने महिला सुरक्षा को नया रूप दिया

सुश्री सावित्री ठाकुर

2012 में क्रूर निर्भया कांड ने देश की अन्तरात्मा को झकझोर कर रख दिया था। इस घटना ने महिलाओं की सुरक्षा में भारत के कानूनी और प्रशासनिक ढांचे की गहरी कमियों को भी उजागर कर दिया था। अपर्याप्त पुलिस व्यवस्था, धीमी न्यायिक प्रक्रिया, पुराने पड़ चुके कानून और पीड़ितों के ना-काफी सहायता इंतजाम निराशाजनक तस्वीरें पेश कर रहे थे। 2014 तक, भारत एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा था। जनता में जबरदस्त आक्रोश था। लेकिन कानूनी तंत्र सुस्त पड़ा था। फास्ट ट्रैक कोर्ट महज एक अवधारणा थी, वास्तविकता नहीं। कोई एकल समाधान और केंद्र नहीं थे,

कोई राष्ट्रीय महिला हेल्पलाइन नहीं थी, जांच तेज करने के लिए कोई फोरेंसिक (न्यायालयिक विज्ञान जांच) सहायता नहीं थी और इन उपायों के संचालन के लिए कोई समर्पित निधि भी नहीं थी। महिलाओं के मुद्दों को सामाजिक सरोकारों के तौर पर देखा जाता था-राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के रूप में नहीं।

मोदी युगः सुरक्षा से संरचनात्मक सशक्तिकरण तक

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले 11 वर्षों के शासन में सुस्त आंशिक प्रतिक्रिया की जगह अब कानूनी सुधार, संस्थानों के दायित्वपूर्ण रवैये और हर महिला के सम्मान से संबंधित दृष्टिकोण को मिशन-मोड में अपनाते हुए व्यापक बदलाव किया है।

कानूनी सुरक्षा, अब राष्ट्रीय प्रतिबद्धता

सरकार ने देश भर में फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (त्वरित न्याय प्रदान करने के लिए स्थापित विशेष न्यायालय) की स्थापना की शुरूआत की और आज ऐसी 745 अदालतें क्रियाशील हैं। इनमें 404 विशेष रूप से यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के तहत मामलों को निपटाती हैं। वर्ष 2014 की तुलना में जब वन स्टॉप सेंटर (शारीरिक, यौन, भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और आर्थिक शोषण का सामना करने वाली महिलाओं की सहायता और निवारण संबंधी केंद्र) अस्तित्व में नहीं थे, अब 820 से अधिक जिलों में ये पूरी तरह कार्यान्वित हैं जो हिंसा से प्रभावित किसी भी महिला को एक ही स्थान पर कानूनी सहायता, पुलिस हस्तक्षेप, आश्रय और परामर्श प्रदान करते हैं। इस पारिस्थितिकी तंत्र के हिस्से के रूप में आरंभ की गई राष्ट्रीय महिला हेल्पलाइन 181 ने हर दिन चौबीसों घंटे 86 लाख से अधिक महिलाओं को आपातकालीन सहायता प्रदान की है। इसके अलावा, देश भर में 14,600 से अधिक पुलिस स्टेशनों (पुलिस थाने) में अब महिला हेल्प डेस्क स्थापित हैं, जिनमें महिला अधिकारी मौजूद हैं। यह महिलाओं के विरूद्ध होने वाले अपराध की स्थिति में पहले बरते जाने वाली उदासीनता या यहां तक कि आक्रामकता के माहौल की अपेक्षा अधिक संवेदनशीलता और सहायता प्रदान करने के माहौल में बदल गए हैं। निर्भया कोष के जरिए सरकार ने वर्ष 2014 से पहले की ढुलमुल प्रतिक्रिया प्रणाली की तुलना में अब महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षा पर केंद्रित 50 से ज्यादा बड़ी परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की है।

प्रगतिशील कानूनी संशोधन

आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 में कुछ आवश्यक सुधारों से शुरूआत के बाद अब भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और 2023 में संबंधित कानूनों के व्यापक संहिताबद्ध किए जाने से औपनिवेशिक युग के आपराधिक न्यायशास्त्र की जगह अब भारतीय संदर्भ में कानून परिभाषित किए गए हैं।

नए कानूनों में महिलाओं के विरूद्ध सभी अपराधों को एक अध्याय में समेकित किया गया है। पीड़ित के बयानों को वीडियो-रिकॉर्ड किया जाना अनिवार्य बनाया गया है जिसमें संवेदनशीलता बरतने के लिए महिला मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में बयान दर्ज कराने को प्राथमिकता दी गई है। डिजिटल स्टॉकिंग (डिजिटल माध्यम से पीछा करना), वॉयरिज्म (रति क्रिया छुपकर देखना) और शादी के झूठे वादे कर शारीरिक शोषण जैसे अपराधों को पहली बार आपराधिक बनाया गया है। कानूनी प्रणाली में अब तेजाब हमलों, मानव तस्करी, सामूहिक बलात्कार और हिरासत में यौन हिंसा के विरूद्ध कठोर दंड की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त, बलात्कार पीड़िता को प्राथमिकी दर्ज करने या आपातकालीन चिकित्सा देखभाल प्रदान न करना भी अपराध माना गया है। पुराने संरक्षणवादी प्रतिबंधों को हटाते हुए महिलाओं को अब कानूनी रूप से किसी भी क्षेत्र में और किसी भी समय काम करने की अनुमति है, जो उनके खुद निर्णय लेने की आजादी की पुष्टि करते हैं। महत्वपूर्ण प्रक्रियागत सुधार भी किए गए हैं जिनमें गवाहों की सुरक्षा और डिजिटल साक्ष्यों को मंजूरी देना शामिल है। यौन हिंसा के मामलों में पीड़ितों को न्याय दिलाने की प्रक्रिया को यह पुनर्परिभाषित करता है।

ये सभी केवल संशोधन भर नहीं हैं - ये पीड़ितों को न्याय दिलाने की प्रणाली को पुनःस्थापित करते हैं।

कानून से परे भी सशक्तिकरण

कानूनी सुरक्षा के दायरे से परे, महिलाओं के प्रति सरकार का दृष्टिकोण सामाजिक, वित्तीय और डिजिटल सशक्तिकरण के व्यापक पहलुओं में कानूनी सुधार लाना है। मातृत्व अवकाश को अब 12 से बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दिया गया है, और 50 से अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों में अब क्रेच (बच्चों की देखभाल) की सुविधा प्रदान करना आवश्यक है। महिलाएं अब सशस्त्र बलों में युद्धक-भूमिकाओं में सक्रियता से भाग ले रही हैं। वे सैनिक स्कूलों में प्रवेश पा रही हैं, प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में दाखिला ले रही हैं, और स्थायी कमीशन प्राप्त कर रही हैं। ये ऐसे उल्लेखनीय बदलाव हैं जो पहले उनके लिए बहुत मुश्किल थे। तीन तलाक जैसी भेदभावपूर्ण प्रथाओं को कानूनी तौर पर समाप्त कर दिया गया है, साथ ही महिलाओं को अब पुरुष अभिभावक के बिना भी हज यात्रा करने की अनुमति है। न्याय प्रदान करने को अब समुदाय-आधारित नारी अदालतों और शी-बॉक्स 2.0 जैसे प्लेटफार्म के माध्यम से विकेंद्रीकृत और डिजिटीकृत किया गया है। इससे सीधे जमीनी स्तर पर समयबद्ध निवारण तंत्र सक्रिय हो गया है।

सुरक्षित, मजबूत भारत की शुरूआत कानूनी गरिमा से

वर्ष 2014 से पहले, महिलाओं की सुरक्षा को अक्सर नीति नहीं बल्कि सुर्खियों से प्रेरित प्रतिक्रियात्मक मुद्दे के रूप में देखा जाता था लेकिन आज यह शासन की संरचना में अंतर्निहित है जो वित्त पोषित, फोरेंसिक उपकरणों, कानूनी सुधार और अग्रिम पंक्ति के कार्यकताओं द्वारा सहायता प्रदत्त है। अमृत काल में प्रवेश करने के साथ ही अब स्पष्ट दृष्टि है कि इस नए भारत में कोई भी महिला अकेली नहीं है। अब उसकी सुरक्षा विशेषाधिकार नहीं बल्कि सरकार की क्षमता से समर्थित संवैधानिक गारंटी है। यह यात्रा अभी जारी है, लेकिन महिलाओं की सुरक्षा में हम अब तक एक लंबा सफर तय कर चुके हैं। निरंतर राजनीतिक इच्छाशक्ति, सामाजिक भागीदारी और कानूनी प्रतिबद्धता के साथ, भारत निश्चित रूप से एक महिला के रहने, काम करने और नेतृत्व करने का सबसे सुरक्षित स्थान बन सकता है।

लेखिका राज्य मंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय हैं

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर देश के दो परस्पर विरोधी दृश्य

अवधेश कुमार

हमारे सामने 'ऑपरेशन सिंदूरझ को लेकर देश के दो परस्पर विरोधी दृश्य हैं। विदेश गए सर्वदलीय सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने इस तरह भारत का पक्ष प्रस्तुत किया जैसे देश पाकिस्तान केंद्रित सीमा पार आतंकवाद, जम्मू-कश्मीर तथा 'ऑपरेशन सिंदूरझ को लेकर पूरी तरह एकजुट है और कोई विपक्ष है ही नहीं। दूसरी ओर आप पहलगाम हमले से लेकर 'ऑपरेशन सिंदूरझ और उसके बाद देश के अंदर विपक्ष की भूमिका देखिए, किसी भी देशभक्त और सच्चाई का ज्ञान रखने वाले निष्पक्ष व्यक्ति का दिल दहल जाएगा या फिर उसको गुस्सा आएगा।

ऐसा कोई दिन नहीं जब विपक्ष के बड़े नेता 'ऑपरेशन सिंदूरझ पर मोदी सरकार को घेरने की कोशिश नहीं कर रहे।

लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पहले दिन से प्रश्न उठा रहे हैं कि हमारे कितने लड़ाकू विमान को नुकसान हुआ। लगभग यही स्वर कांग्रेस के अध्यक्ष एवं राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे का है। जयराम रमेश ने तो लगता है जैसे 'ऑपरेशन सिंदूरझ को ही अपने सोशल मीडिया का मुख्य विषय बना दिया है। सबसे अंतिम हमला सिंगापुर शंग्रीला सम्मेलन में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान के भाषण और ब्लूमबर्ग को दिए साक्षात्कार पर है। सभी नेता एक साथ टूट पड़े हैं कि अब सरकार बताए कि कितने राफेल नष्ट हुए, इस पर संसद का विशेष सत्र बुलाएं तथा रिव्यू कमेटी यानी पुनरीक्षण समिति बनाया जाए। इसमें यहां विस्तार से जाने की आवश्यकता नहीं है। सीडीएस का पूरा इंटरव्यू सबके सामने है। उसमें कहीं नहीं है कि पाकिस्तान ने हमारे कितने लड़ाकू विमान गिराए या हमें कोई बड़ी क्षति हुई। यह सामान्य बात है कि कोई भी युद्ध या लड़ाई एकपक्षीय क्षति वाली नहीं होती। यही सीडीएस ने कहा है। किसी को ज्यादा क्षति होगी किसी को कम। मूल बात यह है कि भारत ने पाकिस्तान के सैन्य दुस्साहस का ऐसा करारा प्रत्युत्तर दिया, जिससे उसकी हुई व्यापक क्षति के बारे में दुनिया के विशेषज्ञ बता रहे हैं और उनसे संबंधित उपग्रह के चित्र आदि सामने ले जा चुके हैं। कई बार लगता है कि हम सरकार को घेर रहे हैं सेना और देश को नहीं। किंतु इसका दूसरा पहलू यही है कि सरकार निर्णय करती है क्रियान्वित सेना करती है। सेना सरकार के लिए नहीं देश के लिए सैन्य कार्रवाई करती है। 'ऑपरेशन सिंदूरझ में सरकार ने यह तय नहीं किया होगा कि सेना कैसे कार्रवाई करे कि हथियार, लड़ाकू विमान, मिसाइल, राडार आदि का प्रयोग करें या कितने जवान उनमें लगें। जिस तरह पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री सीडीएस, तीनों सेना के प्रमुखों से लेकर विदेश मंत्री, उनसे जुड़े मंत्रालय, रक्षा मंत्री, मंत्रालयों के अधिकारी एवं अन्य अलग-अलग आवश्यक क्षेत्र के शीर्ष लोगों से मिल रहे थे उससे साफ था की रणनीति पर गहराई से विचार हो रहा है। निश्चित रूप से सैन्य रणनीतिकारों ने अपनी पूरी स्थिति से अवगत कराते हुए उन्हें आस्त किया होगा या फिर उनकी जो आवश्यकता होगी उसके बारे में बात की होगी।

सरकार यानी राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका साहसपूर्वक निर्णय करने के साथ सेना को कार्रवाई और रणनीति की संपूर्ण स्वतंत्रता देना तथा अपने व्यवहार एवं कदमों से आस्त करना कि कार्रवाई में किसी तरह की आवश्यकता में कमी नहीं होगी। कहने का तात्पर्य कि पाकिस्तान की सैन्य प्रतिक्रियाओं का उत्तर हमारी सेना दे रही थी। यह भी सच है कि टकराव शुरू होने के बाद विदेश के प्रमुख नेताओं ने राजनीतिक नेतृत्व से ही संपर्क किया होगा। सरकार की ओर से अमेरिकी उपराष्ट्रपति, विदेश मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार आदि ने कब-कब किसे कॉल किया इसका भी विवरण देश के सामने रखा जा चुका है। ट्रंप के भी वक्तव्य में क्या है? हमने दोनों देशों को समझाया..उन्हें कहा कि आपके साथ पूरा ट्रेड करेंगे..दोनों देश के नेताओं ने बुद्धिमता का परिचय दिया..हमने दो न्यूक्लियर यानी नाभिकीय संपन्न देशों के बीच नाभिकीय टकराव रोका आदि आदि। इसी में एक जगह उन्होंने किसी तटस्थ स्थान पर मध्यस्थता में बातचीत कराने का भी वक्तव्य दे दिया। यह बात अलग है कि अपनी मध्य पूर्व यात्रा के दौरान उन्होंने बोल दिया कि हमने कोई मध्यस्थता नहीं की। सामान्य तौर पर भी जिन्होंने भारत के वक्तव्यों पर ध्यान दिया होगा उन्हें स्पष्ट है कि हमारे स्टैंड में किंचित भी अस्पष्टता नहीं थी।

10 मई को ही भारत ने साफ कर दिया कि किसी तरह की आतंकवादी घटना युद्ध मानी जाएगी। दूसरे, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन, फिर आदमपुर और बीकानेर के भाषणों में एक-एक बिंदु रख दिया कि आतंकवाद और बातचीत, व्यापार और आतंकवाद नहीं चलेगा। यहां तक कि पानी और खून भी एक साथ नहीं बहेगा। यह भी कहा कि अब अगर आतंकवादी घटना हुई तो सेना को सीधा नुकसान उठाना पड़ेगा। हम इसे केवल आतंकवादियों की नहीं मानकर पाकिस्तान सरकार और सेना की कार्रवाई मानेंगे और उसी प्रकार प्रत्युत्तर देंगे।

सबसे बढ़कर पाकिस्तान से बातचीत होगी तो केवल पाक अधिकृत कश्मीर पर।

राष्ट्र और मानवता के कल्याण हेतु धमार्नुकूल आचरण को अनिवार्य मानते हैं मोहन भागवत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने गत दिवस गुजरात के वलसाड जिले के धरमपुरा में स्थित सदगुरु धाम में श्री भावभावेश्वर महादेव मंदिर के रजत जयंती समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से सचेत किया कि भय अथवा प्रलोभन का दैनिक जीवन में सामना करना पड़ सकता है और ये लोगों को उनके धर्म से दूर ले जा सकते हैं लेकिन धर्म ही खुशी की ओर ले जा सकता है। धर्म हमें जोड़ता है और सही रास्ते पर ले जाता है। इसीलिए भय या प्रलोभन के प्रभाव में आकर लोगों को अपना धर्म परिवर्तन नहीं करना चाहिए। संघ प्रमुख ने कहा कि हम एक जुट होना जानते हैं और एक जुट होना भी चाहते हैं । हम किसी से लडना नहीं चाहते लेकिन आज भी कुछ ऐसी ताकतें मौजूद हैं जो चाहती हैं कि हम अपने आप को बदल बदल दें हमें ऐसी ताकतों से बच कर रहना है।

संघ प्रमुख ने महाभारत काल का एक दृष्टांत देते हुए कहा कि उस काल में धर्म परिवर्तन कराने का प्रयास करने वाली ताकतें मौजूद नहीं थीं लेकिन दुर्योधन ने पांडवों का राज्य हड़पने के लिए जो कुछ किया वह अधर्म था। संघ प्रमुख ने दैनिक जीवन में धार्मिक आचरण को व्यवहार में लाने का आह्वान करते हुए कहा कि लालच और भय हमें अपनी आस्था से विमुख करते हैं इसीलिए सदगुरु धाम जैसे स्थलों का निर्माण किया गया है। लोगों में धार्मिक चेतना के प्रचार प्रसार हेतु सदगुरु धाम के द्वारा संचालित गतिविधियों एवं कार्यों की सराहना करते हुए संघ प्रमुख ने कहा कि यह संस्थान सुदूर आदिवासी क्षेत्रों में जाकर आदिवासियों के उत्थान के लिए सामाजिक गतिविधियों का संचालन कर रहा है। अतीत में जब इस तरह के केंद्रों का अभाव था तब तपस्वी गांव गांव में अपने सत्संग कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को धर्म के मार्ग पर दृढ़ रखते थे लेकिन अब आबादी बढ़ जाने से सदगुरु धाम जैसे केंद्र बन गये हैं जहां समाज के लोग एकत्र हो कर पूजा करते हैं और आध्यात्मिक सत्संग का लाभ प्राप्त करते हैं । यहां उनके कला का अभ्यास करने का अवसर भी मिलता है। संघ प्रमुख ने अपनी इस बात को रेखांकित किया कि सदगुरु धाम जैसे आध्यात्मिक केंद्र लोगों का धर्म परिवर्तन नहीं करते बल्कि उन्हें अपने धर्म पर दृढ़ रहकर धर्म के अनुसार आचरण करने के लिए प्रेरित करते हैं। ऐसे केंद्रों को मजबूत करना हमारी जिम्मेदारी है।इसी से हमारा कल्याण , राष्ट्र की सेवा और संपूर्ण मानवता का कल्याण सुनिश्चित होगा।भागवत ने कहा कि धर्म के अभाव में मनुष्य बुरी आदतों में पड़कर जीवन बर्बाद कर लेता है और धर्म के अनुसार आचरण करने से समाज और राष्ट्र का कल्याण होता है। यही हमारे राष्ट्र की प्रगति भी सुनिश्चित करता है।

0 कृष्णमोहन झा

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1351

1	2	3	4		■	5	6
7				■	8		
9		■	10	11		12	
13		14	■	15	16		■
	■	17				■	■
■	18		■	19		20	
21			■	22		■	
	■	23		■	■	24	

संकेतः बाएं से दाएं

1. पाकिस्तान, सऊदी अरब और 53 अन्य इस्लामी देशों ने 16 जुलाई 2003 को य निर्णय लिया गया कि इस देश को 2005 तक मान्यता दी जाएगी (5)
5. यह विश्व में क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा देश है (2)
7. बलराम के नामों में से एक, बलभद्र (4)
8. श्रीमान, महोदय, महाशय (3)
9. तीन बूटियों वाला ताश का पत्ता (3)
10. मंगल ग्रह इस रंग का बताया गया है, इंद्रधनुष के रंगों में से एक (2)
12. प्रयोगशाला को अंग्रेजी में यह कहते हे (2)
13. असुर, राक्षस, दनु नाम की पत्नी से उत्पन्न कश्यप ऋषि के पुत्र (3)
15. आक्रमण, धावा (3)
17. कामना, मनावांछा, तमन्ना, आरजू (4)
18. क्रांतिवृत्त में पड़नेवाले तारों का समूह, निश्चित संख्या (2)
19. आहार पदार्थ, भोज्य सामग्री (4)
21. पुश, आखेट (3)
22. प्रभु, परमेश्वर (पंजाबी)(2)
23. संबंध से, हेतु, वास्ते (2)
24. उन्नति का समय अभ्युदय काल (2)

ऊपर से नीचे

1. आरंभिक, प्राथमिक, शुरूआती (5)
2. वारिस्थ, बोट, सफीना (4)
3. यह उत्तरभारत में बहने वाली एक नदी है इसका पौराणिक नाम परूष्णी है (2)
4. इस पार का, निकटतटवर्ती (3)
5. यह एक बांग्लादेशी गायिका है (4)
6. मूल कारण, वजह , हेतु (3)
11. जो सीधा न जाकर बलखाते हुए गया हो (5)
14. वन्यतापूर्ण, जंगली, पशुतापूर्ण (5)
16. स्वार्थ, प्रयोजन, अर्थ, मकसद (4)
18. संगीत में स्वरों के विशेष क्रम, शास्त्रीय संगीत की रचना (3)
20. अध्यापक, शिक्षक, गुरू (3)
21. चंद्रमा के रथ 10 घोड़ों में से एक का नाम, आखेटित पशु, हिरण (2)

वर्ग पहेली 1350 का हल

श्री	ह	रि	को	टा		ना	री
मा	ल	वा		ल	घु	म	ति
न	वा	ज	ना		न		ग
	ई		ज	न		बु	त
		त		क	ना	डा	
	म	ह	ता	ब		पे	रू
ग	नी	म	त		पि	स्ट	ल
	ला	त		भा	तृ		र

एकदा

टिकाऊ हल की तलाश

प्रदूषण से भारत की छवि को नुकसान पहुंचा है। दिल्ली में हर साल औसतन 275 दिन खराब हवा दर्ज की जाती है। ये मुश्किलें स्पष्ट हैं। फिर भी टिकाऊ हल की तलाश का कोई गंभीर प्रयास होते हम नहीं देख रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में छाया जहरीला धुआं इस महीने की प्रमुख खबरों में रहा है। इस बीच यह जिक्र भी हुआ है कि एनसीआर की बदहाली तो फिर भी सुर्खियों में आ जाती है, लेकिन देश के बहुत-से शहरों के प्रदूषण पर शायद ही कभी ध्यान जाता है, जबकि वहां हाल किसी रूप में बेहतर नहीं है। फिर प्रदूषण पर चर्चा अक्सर स्वास्थ्य के नजरिए से होती है- जबकि अर्थव्यवस्था पर होने वाले खराब असर पर अक्सर बात नहीं होती। जबकि हकीकत यह है कि इसका अर्थव्यवस्था पर भी भारी असर हो रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रदूषण से हर साल देश की जीडीपी के लगभग तीन प्रतिशत हिस्से का का नुकसान हुआ है। डलबर्ग नाम की ग्लोबल कंसल्टेंसी फर्म ने यह अनुमान लगाया था। बेशक प्रदूषण के नुकसान को पैसों में नहीं तोला जा सकता। फिर भी इसकी आर्थिक कीमत भी बहुत महंगी है, यह साफ है। सघन प्रदूषण के समय दफ्तरों का बंद होना, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण लोगों का काम पर ना जा पाना, बीमारियों के इलाज, समय से पहले मौत, और इन सबके परिवारों पर पडने. वाले असर की कीमत बेहद महंगी है।

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

चौघड़िया

09 :03 से 10 :43 तक-चंचल
10 :43 से 12 :23 तक- लाभ
12 :23 से 14.04 तक- अमृत
20 :24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशि- आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज आपको अपने खर्चे पर नियंत्रण रखना चाहिए। किसी भी फैसले में जल्दबाजी करने से आपको बचना चाहिए। इस राशि के जो लोग लेखक हैं, उनकी किसी कविता को ज्यादा से ज्यादा लोग पसंद करेंगे,

वृष राशि- आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप परिवार वालों के साथ टाईम स्पेंड करेंगे , घर का वातावरण खुशनुमा बना रहेगा। आप किसी काम को नये सिरे से शुरू करने के बारे में विचार कर सकते हैं। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे। आज आपके कार्य समय से पूरे होते चले जायेंगे।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आप कार्यस्थल पर कुछ बदलाव कर सकते हैं, इससे आपको फायदा होगा। आज आपका रुझान आध्यात्म की तरफ हो सकता है। परिवार में सब कुछ अच्छा बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको बढ़ोत्तरी के नये अवसर प्राप्त होंगे। जो लोग स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े हैं, उनके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा।

कर्क राशि- आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहेगा। आज आपका नजदीकी मित्र आपसे मिलने आ सकता है, आप उनसे अपनी कुछ निजी बातें शेयर कर सकते हैं, मन हल्का होगा।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप जो भी काम हाथ में लेंगे, वो पूरा हो जायेगा, साथ ही अन्य कामों की गति बनी रहेगी। इस राशि के जो लोग अविवाहित हैं, उनके विवाह की बात फाइनल हो जाएगी। अगर आप स्टूडेंट हैं और किसी विषय के लिये ट्यूशन क्लासेज लेना चाहते हैं, तो आज से शुरू कर सकते हैं।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज लोग आपकी बातों पर पूरा ध्यान देंगे, यात्रा की योजना बन सकती है। पैसों की कुछ उलझी हुई स्थितियों का समाधान आज निकल जायेगा। आज आपके आस-पास के लोग आपके व्यवहार की तारीफ करेंगे।

तुला राशि- आज का दिन बदलाव से भरा रहेगा। आज का दिन जीवन में अहम मोड़ लाएगा, जिससे कुछ बदलाव होना संभव है। आपको अपने करियर का कोई बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है, ध्यान रहे जो भी करें, सोच-समझ कर करें।

वृश्चिक राशि- आज का दिन जीवन में किसी नयी खुशी का संकेत लायेगा। आज जीवनसाथी आपको एक बड़ी खुशखबरी देंगे, परिवार के बाकी लोग भी काफी खुश नजर आयेंगे। रिश्तों और काम के बीच तालमेल बना रहेगा। इस राशि के मैनेजर पोस्ट के लोग अपने काम को अच्छे से संभालेंगे।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज ऑफिस में आपको सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा जिससे आपका काम समय पर पूरा होगा। आपके सकारात्मक विचार किसी व्यक्ति को प्रभावित कर सकते हैं। आपकी मदद दूसरों के लिये फायदेमंद रहेगी। स्टूडेंट्स पढ़ाई को लेकर कुछ बदलाव कर सकते हैं।

मकर राशि- आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज किसी काम में माता- पिता की सलाह फायदेमंद साबित होगी। इस राशि के स्पोर्ट्स से जुड़े लोग किसी नई एक्टिविटी में भाग ले सकते हैं।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज ऑफिस में आपको कोई ऐसा काम दिया जायेगा, जिसे आप आसानी से पूरा कर लेंगे। आज आपसे किसी मामले में एक्सपर्ट के तौर पर सलाह ली जा सकती है। आपका वैवाहिक जीवन बेहतर बना रहेगा। इस राशि के बिजनेसमैन को काम में कुछ नए अनुभव मिलेंगे एवं काम भी बेहतर ढंग से चलेगा।

मीन राशि- आज का दिन यात्रा में बीत सकता है। ये यात्रा ऑफिस के किसी काम से रिलेटेड हो सकती है। आज आप कुछ मस्ती के मूड में रहेंगे, इससे आपका मन खुश रहेगा। इस राशि के बच्चे किसी ड्राइंग कॉम्पिटिशन में भाग ले सकते हैं। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात होने की संभावना है।

वेट लॉस ही नहीं डिप्रेशन से भी छुटकारा दिला सकता है चीकू

आलू की तरह दिखने वाला फल चीकू सपोटा के नाम से भी जाना जाता है। चीकू में विटामिन-बी, विटामिन ई, पोटैशियम,फाइबर और मिनरल आदि प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। जो शरीर को कई बीमारियों से लड़ने की ताकत देते हैं। चीकू खाने से त्वचा, दिमाग और पाचन अच्छा रहता है। चीकू खाने से शरीर को तुरंत ऊर्जा मिलती है। चीकू का हर भाग स्वास्थ्य लाभों से भरा है इसके पत्ते, जड़ और छाल को औषधी के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में आइए जानते है चीकू खाने से व्यक्ति को मिलते हैं कौन से गजब के फायदे।

हड्डियां बनाए रखे मजबूत

चीकू में कैल्शियम, आयरन और फास्फोरस भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो शरीर की हड्डियों को मजबूत बनाने का काम करता है। चीकू का रोजाना सेवन हड्डियों को मजबूत बनाने का काम करता है। चीकू खाने से बुढ़ापे की वजह से होने वाली कमजोर हड्डियों को ठीक करने में भी मदद मिलती है।

डिप्रेशन में राहत

चीकू दिमाग को सेहतमंद बनाए रखने के साथ नींद न आने की समस्या को भी दूर करता है। चीकू का सेवन करने से गहरी और अच्छी नींद आती है। चीकू में मौजूद तत्व दिमाग में ऑक्सीजन पहुचाने में मदद करते हैं। इतना ही नहीं चीकू का सेवन डिप्रेशन को दूर करने के लिए भी किया जा सकता है।

एनर्जी

चीकू को एनर्जी का अच्छा सोर्स माना जाता है। इसमें मौजूद कार्बोहाइड्रेट शरीर को एनर्जी देने का काम करते हैं। जिन लोगों को एनर्जी की कमी महसूस होती है उनके लिए चीकू का सेवन फायदेमंद हो सकता है।

वेट लॉस

चीकू शरीर के मेटाबॉलिज्म को तेज करता है, जिसकी वजह से व्यक्ति को लंबे समय तक भूख का अहसास नहीं होता और वेट लॉस में मिलती है। चीकू को दिन में किसी भी समय खाया जा सकता है। ये शरीर को तुरंत एनर्जी देने के साथ शरीर को मजबूत भी बनाता है।

कई सेहत गुणों से भरपूर है हरी मिर्च

भोजन का स्वाद बढ़ाने और खाने में तीखापन लाने के लिए हरी मिर्च का उपयोग किया जाता है। अधिकतर लोग इसे अलग से खाने के साथ लेकर खाना भी पसंद करते है। लेकिन क्या आप जानते हैं हरी मिर्च कई सेहत गुणों से भरपूर है। यह आपके स्वास्थ्य को बेहतर और आपको सेहतमंद बनाएं रखने में मदद करती है।

हम आपको बता दें, कि हरी मिर्च कई तरह के पोषक तत्वों जैसे- विटामिन ए, बी6, सी, आयरन, कॉपर, पोटेशियम, प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होती है। यही नहीं इसमें बीटा कैरोटीन, क्रीप्टोक्सान्थिन, लूटेन -ज़ैक्सान्थिन आदि स्वास्थ्यवर्धक चीजें मौजूद हैं।

- रक्तचाप को नियंत्रित करने में हरी मिर्च काफी फायदेमंद होती है। मधुमेह होने की स्थिति में भी हरी मिर्च में रक्तचाप का स्तर नियंत्रित रखने के गुण होते हैं।
- हरी मिर्च में एंटी बैक्टीरियल गुण होते हैं जो किसी भी प्रकार के संक्रमण से शरीर और त्वचा की रक्षा करते हैं। यह त्वचा के लिए एंटी इंफ्लेमेटरी मेडिसिन की तरह काम करती है।
- हरी मिर्च में भरपूर मात्रा में विटामिन-सी होता है, जो रोगों के लड़ने की क्षमता में वृद्धि कर हमारी प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है। हरी मिर्च खाने के बाद आपकी बंद नाक का खुल जाना भी इसी का एक उदाहरण है।
- कैंसर से लड़ने और शरीर को सुरक्षित रखने के लिए भी हरी मिर्च फायदेमंद है। इसमें भरपूर मात्रा में एंटी ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर की आंतरिक सफाई के साथ ही फ्री रेडिकल से बचाकर कैंसर के खतरे को कम करती है।
- इसके सेवन से फेफड़ों के कैंसर का खतरा भी कम होता है। अतः धूम्रपान का सेवन करने वालों को हरी मिर्च को अपने भोजन में ज्यादा शामिल करना चाहिए, क्योंकि उन्हें फेफड़ों के कैंसर का खतरा सबसे ज्यादा होता है।
- हरी मिर्च को मूड बूस्टर के रूप में भी जाना जाता है। यह मस्तिष्क में एंडोर्फिन का संचार करती है जिससे हमारा मूड काफी हद तक खुशनुमा रहने में मदद मिलती है।
- वजन घटाने में हरी मिर्च आपके लिए फायदेमंद हो सकती है। इसका प्रमुख कारण है, कि हरी मिर्च में कैलोरी बिल्कुल भी नहीं होती। इसके प्रयोग से आप पोषक तत्वों को तो ग्रहण करते हैं, लेकिन शरीर को कैलोरी नहीं मिलती।
- विटामिन-ई से भरपूर हरी मिर्च हरी आपकी त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने के साथ ही कसाव लाती है, जिससे त्वचा जवां और खूबसूरत दिखाई देती है।
- हरी मिर्च पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर के खतरे को कम करती है। वैज्ञानिक द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार हरी मिर्च खाने से प्रोस्टेट की समस्या पूरी तरह समाप्त हो जाती है।
- दिल के लिए भी हरी मिर्च काफी फायदेमंद होती है। एक शोध के अनुसार हरी मिर्च से हृदय से संबंधित सारी बीमारिया ठीक हो जाती हैं। इस से रक्त में थक्कों की समस्या ठीक हो जाती है।

उम्र बढ़ते ही क्यों होती है पेट में सूजन और भारीपन की समस्या

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है वैसे-वैसे शरीर में कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं। चेहरे पर झुर्रियां, सफेद बाल, त्वचा का मुरझाना जैसे बढ़ती उम्र के आम लक्षण हैं। इसी के साथ-साथ लोगों को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं भी होने लगती हैं। उम्र के एक पड़ाव पर लोगों को मोतियाबिंद, मांसपेशियों में दर्द, पीठ दर्द, गर्दन दर्द, मधुमेह सहित न जाने कितने ही विकारों का सामना करना पड़ता है। बुढ़ावस्था में लोगों की सेहत को प्रभावित करने वाली हेल्थ कंडीशन की एक लंबी लिस्ट में ब्लोटिंग यानी पेट फूलना की भी एक बड़ी समस्या है। आमा माथा में इसे इसे पेट की सूजन भी कहते हैं। पेट की सूजन को गैस्ट्राइटिस भी कहते हैं और इसके कई बार कोई लक्षण दिखाई नहीं देते लेकिन महसूस होते हैं। यहां हम आपको इस विकार के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

ब्लोटिंग का क्या कारण है?

आमतौर पर सभी एज ग्रुप के लोग समय-समय पर अपने पेट को फूला हुआ महसूस करते हैं। लेकिन एक उम्र के साथ ये समस्या बार-बार होने लगती है। पेट में सूजन तब होती है जब गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट हवा या कई गैस से भर जाता है। यही गैस हमारे पेट को भरा हुआ, तंग या सूजा हुआ महसूस कराती है। अत्यधिक पेट फूलना और पेट में गड़गड़ाहट सूजन के कुछ अन्य सामान्य लक्षण हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं जिनके बारे में यहां जिक्र है। वृद्ध लोगों के मामलों में इन्हीं फैक्टरों के कारण बार-बार सूजन होती है। कुछ विशिष्ट फलों और सब्जियों में फाइबर की मात्रा काफी अधिक होती है जिसे पचा पाना हर किसी के लिए आसान नहीं होता। पेट में फाइबर को पचाने में थोड़ी मुश्किल होती थी, जिससे अक्सर पेट फूलने या सूजन की समस्या हो जाती है। यही वजह है कि वृद्ध लोगों के लिए ठीक से पका हुआ हल्के भोजन करने की सलाह दी जाती है, जिसे वे आसानी से डिगेस्ट सकें। यदि ये समस्या गंभीर है तो उन्हें ऐसे खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए जो अक्सर सूजन का कारण बनते हैं।

पेट के एसिड में कमी

उम्र बढ़ने के साथ ही पेट में भोजन पचाने वाले एसिड की भी कमी हो जाती है जिससे बुजुर्गों का पेट फूलने लगता है। माना ये कि बुजुर्गों में उम्र बढ़ने के साथ ही फूड को डाइजेस्ट करने वाले एसिड पेप्सिन का उत्पादन लगभग 40 प्रतिशत कम हो जाता है। पेप्सिन की कमी से शरीर के लिए प्रोटीन को तोड़ना मुश्किल हो जाता है, जिससे लोग फूला हुआ महसूस करते हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए लोगों को प्रोटीन के एनिमल बेस्ड सोर्स का सेवन कम करना चाहिए।

दूसरी हेल्थ कंडीशन्स

कुछ अन्य स्वास्थ्य स्थितियां जो ज्यादातर बुढ़ापे में उभरती हैं, जो सूजन और बैचेनी का कारण बन सकती हैं।

- इरिटेबल बॉवल सिंड्रोम
- सीलियक रोग • क्रोहन रोग
- गैस्ट्रोएसोफेगल प्रतिवाह रोग
- पेट दर्द • बड़ी आंत में सूजन
- इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज • मधुमेह

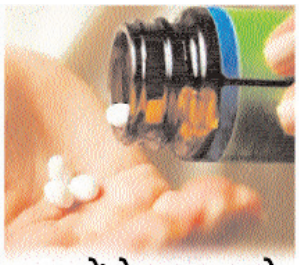

दवाओं के असर को कम कर देती हैं ये चीजें

दवा लिखते समय डॉक्टर हमेशा उसे खाने के तरीके से लेकर समय तक के बारे में सलाह देते हैं। बावजूद इसके कई बार व्यक्ति अनजाने में दवा के साथ कुछ ऐसी चीजों का सेवन कर लेता है, जो उसे फायदे की जगह नुकसान पहुंचाने लगती हैं। दवा के साथ इन चीजों का सेवन शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव डालने लगता है। कोई भी दवा लेते समय उसके साथ जुड़ी कुछ सावधानियां भी रखनी जरूरी हैं। खान-पान की कुछ चीजें दवाओं के असर को कम कर देती हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कुछ ऐसी खास चीजों के बारे में जिन्हें दवा के साथ लेने की गलती भूलकर भी नहीं करनी चाहिए।

डेयरी प्रोडक्ट्स

डेयरी प्रोडक्ट आपके शरीर में कुछ एंटीबायोटिक दवाओं का असर ठीक से नहीं होने देते हैं। दूध में पाए जाने वाले कैल्शियम, मैग्नीशियम जैसे मिनरल्स कैसीन प्रोटीन के साथ मिलकर दवाइयों के असर को कम कर देते हैं। अगर आप एंटीबायोटिक ले रहे हैं तो उस समय दूध ना पिएं।

पोटेशियम से भरपूर फूड्स

ब्लड प्रेशर को कम करने के लिए ली जाने वाली दवा, शरीर को आवश्यकता से अधिक पोटेशियम बनाए रखने में मदद कर सकती है। शरीर में किसी भी चीज की अधिकता हानिकारक होती है, पोटेशियम की अधिकता से हृदय और रक्त प्रवाह में समस्या हो सकती है। कुछ अन्य पोटेशियम वाले फूड्स जिनसे आपको बचना चाहिए वे हैं आलू, मशरूम, शक्करकंद, आलू आदि।

मुलेठी

मुलेठी का इस्तेमाल कुछ लोग पाचन के लिए हर्बल उपचार के तौर पर करते हैं। इसमें पाया जाने वाला ग्लाइसीरिजिजिन साइक्लोरपोरिन सहित कुछ दवाओं के असर को कम कर देता है। इसके अलावा, अगर आप ट्रांसप्लांट कराने की कोई दवा ले रहे हैं तो भी मुलेठी का सेवन ना करें।

पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियों के रूप में भी पहचाना जाता है, कुछ दवाओं के अवशोषण और प्रभावशीलता को बाधित कर सकती है। केल, ब्रोकली आदि जैसी सब्जियां विटामिन के का एक बड़ा स्रोत हैं। विटामिन के का अधिक सेवन वार्फरिन जैसी दवाओं के प्रभाव में बाधा डाल सकता है। वारफेरिन का सेवन अक्सर ब्लीडिंग, रक्त के थक्कों या अन्य रक्त संबंधी विकारों के जोखिम को कम करने के लिए किया जाता है।

शराब

दवा के साथ शराब का सेवन आपकी दवा के असर को कम करने के साथ आपकी सेहत पर भी बुरा असर डाल सकता है। एक अवधि में शराब और दवा का एक साथ सेवन करने से लीवर को काफी नुकसान हो सकता है और इससे लीवर से संबंधित अन्य विकार पैदा हो सकते हैं।

सिगरेट

धूम्रपान फेफड़ों और शरीर के अन्य हिस्सों को नुकसान पहुंचाता है। धूम्रपान आपको बीमारियों के प्रति सांवेदनशील बनाकर आपकी इम्यूनिटी को भी कमजोर कर सकता धूम्रपान आपके द्वारा ली जा रही दवा के अवशोषण, वितरण और प्रभाव में बाधा उत्पन्न कर सकता है।

एनर्जी ड्रिंक्स

एनर्जी ड्रिंक्स के साथ भी दवाई नहीं खानी चाहिए, यह दवाई के डिजॉल्व होने के टाइम को बढ़ाता है। साथ ही इससे आपकी बॉडी पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

पोषक तत्वों के पावरहाउस हैं चिया सीड्स

चिया सीड्स पोषक तत्वों के पावरहाउस है। ये बीज भरपूर मात्रा में फाइबर, प्रोटीन और दिल के लिए हेल्दी पॉलीअनसैचुरेटेड वसा से भरपूर होते हैं, जो इम्यूनिटी को बढ़ावा देने के साथ आपको हेल्दी रखते हैं। इसके अलावा, इन सुपर सीड्स को वेट लॉस के लिए भी बहुत अच्छा माना जाता है। इसे कैसे यूज करना है, आपको इसके बारे में कुछ बातें जरूर जान लेनी चाहिए।

चिया सीड्स के पोषक तत्व

100 ग्राम चिया सीड्स में 16.5 ग्राम प्रोटीन, 42.1 ग्राम कार्ब्स, 34.3 ग्राम फाइबर, 30.7 ग्राम फैट और 0 शुगर होता है। उच्च प्रोटीन, उच्च फाइबर पोषण संयोजन वजन घटाने के लिए इसे बहुत अच्छा बनाता है। जबकि को पॉजिटिव रखने के साथ चिया सीड्स खाने से पेट भरा-भरा भी लगता है।

चिया सीड्स के साथ वेट लॉस

चिया बीज प्रति 100 ग्राम में 486 ग्राम कैलोरी होती है। कैलोरी वह इकाई है जो ऊर्जा को मापती है, जो शरीर के स्वस्थ कामकाज के लिए आवश्यक है। आसान शब्दों में, यह वह ऊर्जा है जो लोग अपने खाने-पीने के लिए प्राप्त करते हैं, जिसका उपयोग वे शारीरिक गतिविधियों को करने के लिए करते हैं। इसके अलावा वेट मैनेजमेंट में भी चिया सीड्स बहुत फायदेमंद है। जो लोग जरूरत से ज्यादा कैलोरी का सेवन करते हैं, उनका वजन बढ़ सकता है, क्योंकि शरीर में एनर्जी कैलोरी को बर्न करना इतना आसान नहीं होता है।

चिया सीड्स के फायदे

चिया सीड्स हाई ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद कर सकता है। चिया सीड्स में क्लोरोजेनिक एसिड नामक एक एंटीऑक्सीडेंट यौगिक हाई ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद कर सकता है। सूजन को कम करने में मदद कर सकता है। इसमें अल्फा-लिनोलेनिक एसिड नामक एक ओमेगा -3 फैटी एसिड होता है, जो आपकी दिल की हेल्थ के लिए भी फायदेमंद है जिन लोगों का शुगर लेवल हाई रहता है, उन्हें भी चिया सीड्स भी इस्तेमाल करना चाहिए। चिया सीड्स में मौजूद फैटी एसिड त्वचा की जलन से राहत दिलाने में मदद कर सकता है और पानी पीने से त्वचा में नमी बनी रहती है। चिया सीड्स को हमेशा पानी में भिगाकर ही इस्तेमाल करना चाहिए।

एलर्जिक तत्वों से बनाएं दूरी

हम में से कुछ को किसी भी चीज से एलर्जी नहीं होती, जबकि कुछ लोगों को बहुत ही नॉर्मल चीजों से भी एलर्जी हो जाती है। असल में एलर्जी हमारे इम्यून सिस्टम का नुकसान न पहुंचाने वाली चीजों की तरह एब्नॉर्मल रिएक्शन है। आप जो कुछ भी खाते हैं या आलाई करते हैं, यह उसका रिएक्शन भी हो सकता है। आमतौर पर गोल्ड, पॉलन या जानवरों की वजह से यह एलर्जिक रिएक्शन हो सकता है। सांस लेने या खाने के दौरान इनसे हमारा एक्सपोजर होता है। आंखों से पानी आना या उनमें खुजली होना, छींके आना, नाक बहना, रैशेज, रेड पैचेज के साथ रैशेज, बुखार या बीमार महसूस करना वगैरह एलर्जी के सामान्य लक्षण हैं। गंभीर एलर्जिक रिएक्शन पूरी बॉडी में इंचिंग, सांस फूलना, गले में कसाव महसूस होना, हाथों और पैरों में खिंचाव वगैरह है।

दूसरी, एलर्जी रिएक्शंस हैं

फूड एलर्जी - खाने की कुछ चीजों से एलर्जिक रिएक्शन के कारण पेट में दर्द, उलटी या डायरिया की शिकायत हो सकती है। कीड़े का काटना-मधुमक्खी या किसी और कीड़े के डंक से सूजन, रेडनेस या दर्द हो सकता है।

कॉमन एलर्जी

वैक्सीन, पेनिसिलीन और एस्पिरीन जैसी दवाइयां, कुछ खास तरह की मछलियां, धूल, पॉलन, पीनट्स, कीड़े के काटने, छोटी चोट, हॉट या कोल्ड टेम्परेचर, एक्सरसाइज या खास तरह के इंगोशन से भी एलर्जी हो सकती है। एलर्जी के कारणों में दूध, नट्स, वीट और एग्स सबसे कॉमन हैं।

आपको हो सकती है एलर्जी...

वैसे, एलर्जी किसी भी उम्र में हो सकती है, लेकिन बच्चों में यह कॉमन है। आमतौर परिवार में अगर किसी को एलर्जी है, तो यह आपको भी हो सकती है। वैसे, यह भी हो सकता है कि आपके पेरेंट्स को एलर्जी हो, लेकिन आप इसके शिकार न हों। आपके आस्पास का माहौल भी इसके लिए काफी हद तक जिम्मेदार है। कई बार स्मोक, पल्यूशन, हार्मोंस वगैरह में घर के पर्दे, चादर वगैरह बदल डालें।

शहीद स्मारक के पार्किंग के पास से गांजा के साथ उत्तरप्रदेश का विनोद गिरफ्तार

रायपुर। एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना मौदहापारा क्षेत्रांतर्गत शहीद स्मारक के पार्किंग स्थल में एक व्यक्ति अपने पास बैग में गांजा रखा है तथा बिक्री करने की फिराक में है। जिस पर एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना मौदहापारा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिए के व्यक्ति को चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्तियों ने अपना नाम विनोद निषाद निवासी इलाहाबाद (उ0प्र0) का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उसके पास रखें बैग की तलाशी लेने पर बैग में 3.898 किलो ग्राम गांजा कीमती लगभग 38,000 रुपए जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना मौदहापारा में अपराध क्रमांक 92/25 धारा 20बी नारकोटिक एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही किया गया है।

न्यूज गैलरी

भूपेंद्र क्लब की भूमि से हटाए गए दुकानदारों के परिवारों के समक्ष रोजी-रोटी का संकट

युकां जिलाध्यक्ष मेमन ने प्रशासन से पुनर्वास की मांग की

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। बस स्टैंड स्थित भूपेंद्र क्लब की भूमि पर वर्षों से दुकानों के माध्यम से अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे 23 दुकानदारों को प्रशासन द्वारा हाल ही में हटाया गया। बुलडोजर चलाकर इन दुकानों को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया, जिससे प्रभावित परिवारों के सामने जीवन यापन और रोजगार का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है।

युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष हाफिज मेमन ने प्रशासन से मांग की है कि सभी प्रभावित दुकानदारों को मानवीय दृष्टिकोण से देखते हुए पुनः उसी स्थान पर या समीप किसी स्थान पर वैकल्पिक दुकानें बनवाकर दी जाएं, ताकि वे अपने परिवार का जीवन-निर्वाह कर सकें। मेमन ने कहा कि ये दुकानदार लंबे समय से इस स्थान पर काम कर रहे थे और उनके पास आय का कोई अन्य स्रोत नहीं है। ऐसी स्थिति में प्रशासन को संवेदनशीलता दिखाते हुए इनके पुनर्वास की दिशा में शीघ्र कदम उठाना चाहिए।

सीजीपीएससी तैयारी में डूबे सपनों की कहानी पर एनआईटी छात्रों ने बनाई फिल्म

छत्तीसगढ़ी सिनेमा में नया प्रयोगः सरकारी अफसर वेब सीरीज में छात्रों के संघर्षों को दिखाया

कोरिया बैकुंठपुर - बिलासपुर के गांधी चौक की तंग गलियों में सुबह की पहली किरण के साथ एक और दिन जागता है। चाय की भाप के साथ उड़ती किताबों की खुशबू और छात्रों की आंखों में झलकते अधूरे सपने। यहीं से शुरू होती है कहानी अखिलेश की जो एक किसान का बेटा है, जो अपने पिता की आंखों में छिपे सरकारी अफसर के ख्वाब को पूरा करने गांव से शहर आया है। यह कहानी सीजीपीएससी तैयारी में डूबे सपनों की है। जिसपर एनआईटी रायपुर के पांच छात्रों ने वेब सीरीज बनाई है, जिसे १३ जून को यूट्यूब पर रिलीज किया जाएगा।

सरकारी अफसर मंजिल नहीं शुरूआत हे में प्रदेश के उन हजारों युवाओं की भावनाओं को स्वर देने का प्रयास किया गया है, जो सीजीपीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटे हैं। यह वेब सीरीज सिर्फ एक कहानी नहीं, बल्कि उन धड़कनों की आवाज है, जो हर साल गांधी चौक की कोचिंग गलियों में गूंजती हैं। यह कहानी, अखिलेश और सुमन जैसे किरदारों के जरिए दशार्ती है कि कैसे सामाजिक, पारिवारिक और आर्थिक संघर्षों के बीच भी सपने मरते नहीं हैं, बल्कि और मजबूत होते हैं। अखिलेश, एक साधारण किसान परिवार से आया लड़का, अपने गांव से चलकर बिलासपुर पहुंचता है। एक ऐसी जगह जिसे छत्तीसगढ़ का 'मुखर्जी नगर' कहा जाता है। वहीं उसकी मुलाकात होती है प्रीतम और रवि से होती है, जो पहले से ही परीक्षा की तैयारी कर रहे होते हैं। वही उसकी दिशा भी बनते हैं और साथी भी। कोचिंग की दीवारों के बीच अखिलेश की मुलाकात सुमन से होती है। एक अनाथ लड़की जो अपने दत्तक परिवार की उपेक्षा और तानों से जूझते हुए खुद को साबित करना चाहती है। धीरे-धीरे, दोनों के संघर्ष एक दूसरे से जुड़ जाते हैं और उनका रिश्ता भी। ये सिर्फ दो लोगों की प्रेम कहानी नहीं, बल्कि दो इच्छाओं की साझी उड़ान है।

एनआईटी के छात्र दिव्यांश सिंह व उनकी टीम ने इस वेब सीरीज को तैयार किया है। जिसे साई भरथ ने निर्देशित किया है। कलाकारों में हैं फूफू के नाम से पहचाने जाने वाले अनिल सिन्हा है। साथ ही कांकेर की वैष्णवी जैन, अमन सागर, हर्षवर्धन पटनायक, क्रांति दीक्षित, सुरेश गोंडले और विक्रम राज जैसे चर्चित चेहरे।सरकारी अफसर का हर एपिसोड करीब २०-२५ मिनट का है और इसे साप्ताहिक रूप से चैनल पर रिलीज किया जाएगा। पहले एपिसोड का नाम ही हैंड्ड मंजिल नहीं, शुरूआत हे।

गंभीर विषय को लोकभाषा व स्थानीय परिवेश से जोड़ा

कोरिया जिले के पटना के रहने वाले एनआईटी के छात्र निर्देश शर्मा ने कहा कि यह सीरीज न केवल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों का तनाव और परिश्रम दिखाती है, बल्कि उस सामाजिक ताने-बाने को भी उजागर करती है जिसमें ये छात्र जीते हैंड्ड किराया, कोचिंग की फीस, पारिवारिक दबाव, रिश्तों की उलझन और आत्म-संदेह। सीजीपीएससी जैसे गंभीर विषय को छत्तीसगढ़ी लोकभाषा और स्थानीय परिवेश में गूंथकर वेब सीरीज में प्रस्तुत करने का प्रयास है। यह उन युवाओं की कहानी है, जो हारने से पहले लड़ना सीखते हैं।

आर्थिक कारण को लोक स्वास्थ्य पर प्राथमिकता नहीं - कलेक्टर

पीएचई को कार्यालय और प्रयोगशाला हेतु मांगलिक भवन का प्रथम तल आवंटित

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। एमसीबी कलेक्टर ने जन स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नगर पंचायत नई लेदरी स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर मांगलिक भवन के प्रथम तल को कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मनेंद्रगढ़ को नवीन भवन निर्मित होने तक कार्यालय एवं जिला प्रयोगशाला संचालन हेतु आवंटित किए जाने का आदेश पारित किया है। बता दें कि कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मनेंद्रगढ़ द्वारा नगर पंचायत नई लेदरी स्थित मंगल भवन के प्रथम तल को कार्यालय एवं जिला प्रयोगशाला प्रयोजन हेतु आवंटित किए जाने आवेदन प्रस्तुत किया था। उक्त आवेदन पर नगर पंचायत नई लेदरी द्वारा 14 मई 2025 को हुई सामान्य सम्मिलन बैठक में आर्थिक कारण को आधार बनाकर भवन आवंटित करने से इंकार कर दिया गया। इस पर कलेक्टर ने अपने आदेश में कहा कि नवगठित जिला एमसीबी के अस्तित्व में आने के बाद आज तक लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का कार्यालय एवं जल परीक्षणार्थ प्रयोगशाला प्रारंभ नहीं हुआ है। यदि कार्यालय एवं प्रयोगशाला की स्थापना हेतु भवन नहीं दी जाती है तो न केवल नगरीय निकाय नई लेदरी अपितु संपूर्ण जिला अंतर्गत परीक्षण रहित जल के अभाव में लोक स्वास्थ्य की सुरक्षा खतरे में रहेगी। कलेक्टर ने कहा कि आर्थिक कारण को संपूर्ण जिले के लोक स्वास्थ्य पर प्राथमिकता नहीं दी जा सकती। साथ ही आदेश में यह भी कहा कि उक्त भवन के राजस्व अभिलेख के अवलोकन से स्पष्ट है कि भवन राजस्व विभाग की भूमि पर स्थापित है, जो प्रथम दृष्टया अतिक्रमण को प्रदर्शित करती है, जिसमें तहसीलदार मनेंद्रगढ़ के द्वारा कार्रवाई किया जाना उचित होगा। कलेक्टर ने नगर पंचायत नई लेदरी के सामान्य सम्मिलन बैठक में लिए गए निर्णय को निलंबित कर दिया।

पतियों को साथ में बैठने की अनुमति नहीं मिलने पर महिला जनप्रतिनिधियों ने किया सामान्य सभा की बैठक का बहिष्कार

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। पतियों को साथ में बैठने की अनुमति नहीं मिलने पर निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों ने जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ की सामान्य सभा की बैठक का बहिष्कार कर दिया । बैठक में महिला जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने पतियों को बैठक में बैठाने की मांग को लेकर उत्पन्न विवाद ने पूरी सभा को प्रभावित किया और अंततः बैठक की बहिष्कार की स्थिति उत्पन्न हो गई और महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा अधूरी रह गई।

गुरूवार को जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ की सामान्य सभा की बैठक अमृत सदन सभागार में आयोजित की गई। बैठक प्रारंभ होने से पूर्व महिला जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा अन्य महिला जनपद सदस्यों ने अपने पतियों के साथ बैठक में भाग लेने की अनुमति मांगी। जब जनपद पंचायत सीईओ ने स्पष्ट रूप से नियमों का हवाला देते हुए इस मांग को अस्वीकार किया, तो नाराज महिला जनप्रतिनिधियों अध्यक्ष जानकी बाई कुसरो, उपाध्यक्ष ज्योति गुप्ता एवं सदस्य शांति, सुरतिया व रामबाई के द्वारा यह कहते हुए बैठक का बहिष्कार कर दिया गया कि हमारे पति अगर बैठक में शामिल नहीं होंगे तो हम सामान्य सभा का बहिष्कार करते हैं। बैठक नहीं हो पाने की वजह से प्रस्तावित कई महत्वपूर्ण विकास योजनाओं पर चर्चा अधूरी रह गई। भारत में पंचायती राज प्रणाली व्यवस्था के अंतर्गत महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान इस मंशा से किया गया है कि वे ग्राम शासन में स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने वाली सशक्त भागीदार बन सकें, लेकिन जब निर्वाचित महिलाएं स्वयं की बजाय अपने पतियों को प्रतिनिधित्व देने की शर्त रखने लगें, तो यह सीधे तौर पर लोकतंत्र और महिला सशक्तिकरण की भावना पर चोट है। यह प्रवृत्ति सरपंच पति, जनपद पति जैसी असंवैधानिक संस्कृति को बढ़ावा देती है।

जनपद सीईओ ने की सुरक्षा की मांग

इधर सामान्य सभा की बैठक के दौरान जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ की उपाध्यक्ष ज्योति गुप्ता के पति आनंद गुप्ता के द्वारा शासकीय कार्यों में बाधा डाले जाने एवं धमकी दिए जाने की शिकायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ ने कलेक्टर से करते हुए सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराए जाने का अनुरोध किया है।

जिले के 154 ग्रामों में धरती आबा अभियान के तहत 15 जून से विशेष शिविर

मुनादी और दीवार लेखन के जरिए जागरूकता बढ़ाने का प्रयास

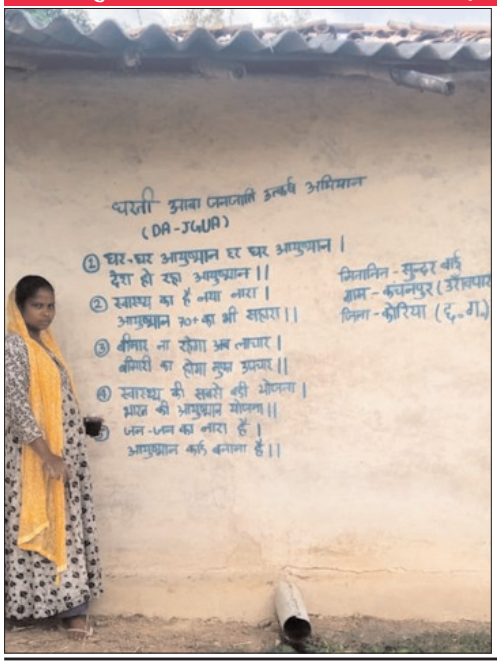

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिले में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत १५ जून से विशेष शिविरों का आयोजन शुरू होगा। जिले के १५४ चयनित आदिवासी बहुल ग्रामों में यह शिविर ३० जून २०२५ तक आयोजित किए जाएंगे। जिला कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी के निर्देश पर इन ग्रामों में दीवार लेखन और कोटवारों के माध्यम से मुनादी कर अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को आधार कार्ड, राशन कार्ड, जाति/निवास प्रमाण पत्र, पेंशन योजनाएं, आयुष्मान भारत कार्ड, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, जनधन खाता, पीएम किसान निधि, मुद्रा लोन, विश्वकर्मा योजना समेत लगभग १७ योजनाओं का सीधा लाभ पात्र हितग्राहियों को प्रदान किया जाएगा। शिविरों में स्वास्थ्य, पंचायत, समाज कल्याण, ग्रामीण विकास, कृषि, खाद्य, राजस्व विभागों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से डिजिटल सेवाएं जैसे आधार ई-केवाईसी और दस्तावेज सत्यापन भी की जाएंगी। कलेक्टर ने इन १५४ ग्रामों के नागरिकों से अपील की है कि वे शिविरों में भाग लें और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर अपने जीवन को सशक्त बनाएं। यह अभियान आदिवासी समाज को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

वित्त वर्ष 2025-26 के सम्पतिकर का 30 जून तक पूर्ण भुगतान करने वालों को 6. 25 प्रतिशत की छूट दी जा रही

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम के राजस्व विभाग द्वारा 30 जून 2025 तक वित्त वर्ष 2025-26 के सम्पतिकर का पूर्ण भुगतान करने वाले सम्पति करदाता नागरिकों को सम्पतिकर में 6.25 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है. नगर पालिक निगम रायपुर के राजस्व विभाग को कोई भी सम्पति करदाता नागरिक ऑनलाइन / ऑफलाइन सम्पतिकर भुगतान व्हाट्सएप्प, चैटबॉट क्यूआरकोड आदि उपलब्ध अनेक विकल्पों के माध्यम से अपनी सुविधा अनुसार दिनांक 30 जून या उसके पूर्व करके सम्पतिकर के चालू वित्त वर्ष 2025-26 के भुगतान में 30 जून तक अधिकतम 6.25 प्रतिशत की छूट प्राप्त कर सकते हैं. रायपुर नगर पालिक निगम के राजस्व विभाग द्वारा समस्त सम्पति करदाता नागरिकों से 30 जून अथवा उससे पहले वर्ष 25-26 के अपने देय सम्पतिकर का पूर्ण भुगतान कर 6.25 प्रतिशत की अधिकतम छूट का लाभ अधिकाधिक संख्या में उठाने की अपील की है.इसमें विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के इच्छुक सम्पति करदाता नागरिक सम्बंधित जोन कार्यालय के राजस्व विभाग में सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं।

जनता के लिए राहत भरी खबर, सस्ता होगा खाद्य तेल, महंगाई से मिलेगी राहत!

नई दिल्ली,12 जून। केंद्र की मोदी सरकार ने कच्चे खाद्य तेलों के दामों को लेकर बड़ा ऐलान किया. जानकारी के मुताबिक सरकार ने कच्चे सूरखमुखी, सोयाबीन और पाम ऑयल जैसे कच्चे खाद्य तेलों पर बेसिक सीमा शुल्क को 20 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी करने को कहा है.

बता दें, खाद्य मंत्रालय ने खाद्य तेल उद्योग संघों को यह आदेश देते हुए कहा कि सरकार के निर्णय के बाद आयात शुल्क में कटौती का लाभ तत्काल उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाए. खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव की अध्यक्षता में प्रमुख खाद्य तेल उद्योग संघों और उद्योग हितधारकों के साथ एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें यह आदेश दिया गया.

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी जीत पर एक नजर

नईदिल्ली, 12 जून। भारतीय क्रिकेट टीम और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच 20 जून से 5 मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने वाली है। कई बार भारतीय टीम ने अपने शानदार खेल से इंग्लैंड को एकतरफा हराया है।

इन जीतों में न सिर्फ टीम की मजबूती दिखी, बल्कि उन्होंने यह भी साबित किया कि वह किसी भी परिस्थिति में बड़ी टीमों को मात देने का दम रखते हैं। ऐसे में आइए इंग्लैंड पर भारत की सबसे बड़ी जीत पर एक नजर डालते हैं।

भारत को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में अब तक की सबसे बड़ी जीत साल 2016 में चेन्नई में मिली थी।

उस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 477 रन बनाए थे।

जवाब में भारतीय टीम ने करुण नायर के शानदार तिहरे शतक (303 नाबाद) की बदौलत 759/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया।

इसके बाद इंग्लैंड की दूसरी पारी महज 207 रन पर सिमट गई और भारत ने यह मुकाबला पारी और 75 रनों से जीत लिया था।

भारत को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में दूसरी सबसे बड़ी जीत साल 2024 में धर्मशाला में मिली थी।

उस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की टीम सिर्फ 218 रन बना सकी।

जवाब में भारत ने रोहित शर्मा (103) और शुभमन गिल (110) की शतकीय पारियों की बदौलत 477 रन जुटाए।

दूसरी पारी में इंग्लैंड की पूरी टीम 195 रन ही बना पाई और भारत ने यह मुकाबला पारी और 64 रनों से अपने नाम किया। साल 2002 में हेडिंग्ले, लीड्स में भारत ने इंग्लैंड को पारी और 46 रनों से हराया था।

इंग्लैंड में ये भारत की सबसे बड़ी जीत है।

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए राहुल द्रविड़ (148), सचिन तेंदुलकर (193) और सौरव गांगुली (128) की शानदार पारियों के दम पर 628/8 का विशाल स्कोर खड़ा किया था।

जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 273 रन पर सिमट गई।

भारत ने उन्हें फॉलोऑन दिया। दूसरी पारी में इंग्लैंड 309 रन ही बना सकी।

भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ अपनी चौथी सबसे बड़ी टेस्ट जीत साल 2016 में वानखेड़े स्टेडियम में दर्ज की थी।

इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 400 रन बनाए थे।

जवाब में भारतीय टीम ने मुरली विजय (136), विराट कोहली (235) और जयंत यादव (104) की बेहतरीन पारियों की बदौलत 631 रन बना दिए थे।

दूसरी पारी में इंग्लैंड की टीम 195 रन पर ऑलआउट हो गई।

भारत ने यह मुकाबला पारी और 36 रनों से अपने नाम किया था।

छोटी खबरें

कोहली को कप्तान बनाकर उनका संन्यास टाला जा सकता था

0-रवि शास्त्री का बड़ा बयान

नईदिल्ली, 12 जून। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री उस समय भावुक हो गए जब वह विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास पर बात कर रहे थे। उन्होंने कोहली की कप्तानी में एक सफल दौर बिताया है और कई यादगार सीरीज जीतते हुए देखा है। उनका मानना है कि कोहली का संन्यास थोड़ा और समझदारी से संभाला जा सकता था। उन्हें कप्तान बनाकर उनके संन्यास को टाला जा सकता था। शास्त्री ने कहा, कोहली का टेस्ट से संन्यास लेना दुख की बात है। वह एक महान खिलाड़ी हैं। जब कोई चला जाता है तभी लोग उसकी अहमियत समझते हैं। आंकड़े उनकी महानता को पूरी तरह नहीं दिखा सकते, उन्होंने खुद को टेस्ट क्रिकेट के दौरान विदेशी दौरे में जिस तरह पेश किया वो काफी महत्वपूर्ण था। लॉर्ड्स में टीम ने जैसे मैच पलटा वो लम्हा किसी सपने जैसा था और मुझे खुशी है कि मैं उस पल का हिस्सा था। शास्त्री ने कहा, मुझे दुख है कि वह जिस तरह से गए, वह बहुत अचानक हुआ। मुझे लगता है कि इस पूरे मामले को थोड़ा और अच्छे तरीके से संभाला जा सकता था, शायद उनसे ज्यादा बातचीत की जा सकती थी। अगर यह फैसला मेरे हाथ में होता तो मैं उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद ही फिर से कप्तान बना देता। साल 2019 से 2024 तक कोहली ने 46 टेस्ट मैच खेले। इसकी 78 पारियों में 35.84 की औसत से सिर्फ 2,617 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 5 शतक और 11 अर्धशतक निकले थे। कोहली ने 2 शतक साल 2019 में और 2 शतक 2023 में लगाए थे। 1 शतक पिछले साल आया था।

साल 2020, 2021 और 2022 में उनके बल्ले से 1 भी शतक नहीं निकला। इस दौरान वह भारत के लिए 19 टेस्ट मैच खेले थे।

कोहली ने अपने टेस्ट करियर में 123 मैचों की 210 पारियों में 46.85 की उम्दा औसत के साथ 9,230 रन बनाए थे। इस बीच नाबाद 254 रन उनका सर्वोच्च स्कोर स्कोर रहा था।

टेस्ट क्रिकेट: इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों की सबसे बड़ी साझेदारियां

नईदिल्ली, 12 जून। भारतीय क्रिकेट टीम और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच टेस्ट क्रिकेट की प्रतिस्पर्धा हमेशा रोमांचक रही है, जिसमें कई ऐतिहासिक साझेदारियां दर्ज की गई हैं। अब एक बार फिर दोनों टीमें आमने-सामने होंगी, जब 20 जून से 5 मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरूआत होगी।

ऐसे में आइए नजर डालते हैं उन सबसे बड़ी साझेदारियों पर, जिन्हें भारतीय बल्लेबाजों ने इंग्लैंड के खिलाफ रचा है।

वो क्षण जब 2 खिलाड़ियों की एकजुटता ने पूरी मैच की दिशा बदल दी थी।

पहले स्थान पर गुंडप्पा विश्वनाथ और यशपाल शर्मा की यादगार जोड़ी है।

साल 1982 में चेन्नई टेस्ट के दौरान दोनों ने पहली पारी में तीसरे विकेट के लिए 316 रन की ऐतिहासिक साझेदारी निभाई थी। विश्वनाथ ने 222 रन बनाए, जबकि यशपाल ने 140 रनों की शानदार पारी खेली थी।

भारत ने 481/4 के स्कोर पर पारी घोषित कर दी थी।

यह मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ था। यशपाल और विश्वनाथ की यह साझेदारी आज भी याद की जाती है।

सूची में दूसरे स्थान पर गौतम गंभीर और राहुल द्रविड़ की जोड़ी है।

साल 2008 में इंग्लैंड की टीम भारत के दौरे पर आई थी। सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच मोहाली में खेला गया था।

भारत ने पहली पारी में 453 रन बनाए थे।

गंभीर के बल्ले से 179 रन और द्रविड़ के बल्ले से 136 रन निकले थे। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 314 रनों की साझेदारी हुई थी।

यह मुकाबला भी ड्रॉ पर समाप्त हुआ था।

तीसरे स्थान पर सौरव गांगुली और सचिन तेंदुलकर की महान जोड़ी है।

दोनों ने साल 1996 में नॉटिंघम टेस्ट के दौरान 255 रनों की साझेदारी निभाई थी।

ये इंग्लैंड की धरती पर भारतीय बल्लेबाजों के द्वारा की गई सबसे बड़ी साझेदारी भी है।

भारतीय टीम उस टेस्ट में पहले बल्लेबाजी करने उतरी थी। गांगुली (136) और तेंदुलकर (177) की पारियों के दम पर टीम ने 521 रन बना दिए थे।

यह मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ था।

चौथे स्थान पर भी गांगुली और सचिन की जोड़ी है। दोनों ने साल 2002 में लीड्स टेस्ट के दौरान पहली पारी में चौथे विकेट के लिए 249 रन जोड़े थे।

भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी थी।

गांगुली (128) और तेंदुलकर (193) की शानदार पारियों के दम पर टीम ने 628/8 का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया था।

स्टीव स्मिथ ने डब्ल्यूटीसी फाइनल में रचा इतिहास, तोड़ डाला 99 साल पुराना महारिकॉर्ड

लंदन, 12 जून। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ का लॉर्ड्स के साथ प्रेम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में भी जारी रहा. दाएं हाथ के अनुभवी बल्लेबाज ने 99 साल पुराने महारिकॉर्ड को तोड़ते हुए क्रिकेट के घर लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी बल्लेबाज बनकर अपने नाम एक और रिकॉर्ड जोड़ लिया. उन्होंने बुधवार, 11 जून को ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच यहां खेले जा रहे डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025 के पहले दिन यह अविश्वसनीय उपलब्धि हासिल की.

स्मिथ ने 51 रन बनाते ही यह खास उपलब्धि हासिल की. उन्होंने 76 गेंदों पर 9 चौकों की मदद से अर्धशतक बनाकर ऑस्ट्रेलियाई पारी को संभाला. हालांकि, वे अंततः 66 रन बनाकर आउट हो गए, जब वे पार्ट-टाइम स्पिनर एडेन मार्कराम की गेंद पर स्लिप में खड़े मार्को जेनसन को कैच थमा बैठे.

36 वर्षीय स्मिथ ने प्रतिष्ठित लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के वॉरन बार्डस्ले के 575 रन (115 की औसत से) को पीछे छोड़ दिया. इस प्रक्रिया में, उन्होंने वेस्टइंडीज के दिग्गज गारफील्ड सोबर्स और ऑस्ट्रेलिया के महान सर डोनाल्ड ब्रैडमैन को भी पीछे छोड़ा. स्मिथ के खाते में अब क्रिकेट के मक्का में 2 शतक और 3 अर्धशतक के साथ 591 रन दर्ज हो गए हैं.

3000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर लगेगा चार्ज?

0-वित्त मंत्रालय ने दी सफाई, पेटीएम के शेयर टूटे

मुंबई,12 जून। आज पेटीएम के शेयरों में 10 फीसदी से अधिक की गिरावट आई. वित्त मंत्रालय के स्पष्टीकरण जारी किए जाने के बाद शेयरों में गिरावट दर्ज की गई. वित्त मंत्रालय की ओर से स्पष्टीकरण में कहा गया है कि यूपीआई लेनदेन पर कोई मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) नहीं लिया जाएगा. फिनटेक कंपनी के शेयर 864 रुपये पर कारोबार कर रहे थे और निफ्टी मिडकैप इंडेक्स पर टॉप लूजर के रूप में उभरे.

वित्त मंत्रालय का स्पष्टीकरण उन रिपोर्टों के बाद आया है जिनमें कहा गया था कि सरकार बैंकों और भुगतान समाधान प्रोवाइडर की सहायता के लिए 3,000 रुपये और उससे अधिक मूल्य के लेनदेन पर एमडीआर लागू करने की योजना बना रही है. रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया था कि सरकार लेंडर को मर्चेंट टर्नओवर के बजाय लेनदेन मूल्य पर एमडीआर लगाने की अनुमति दे सकती है.

रिपोर्ट सामने आने के बाद पेटीएम के शेयर तीन महीने के उच्चतम स्तर 978 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गए थे.

एमडीआर एक शुल्क है जो बैंक वास्तविक समय में भुगतान संसाधित करने के लिए व्यापारियों से लेते हैं. इससे पहले, व्यापारियों से कार्ड भुगतान पर कुल लेनदेन मूल्य का 1 फीसदी एमडीआर शुल्क लिया जाता था. बाद में 2020 में सरकार ने देश में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए एमडीआर शुल्क माफ कर दिया.

---------- व्यापार/फिल्म ----------

किसानों के लिए बड़ी खबर! 20 जून को आएगी पीएम किसान की 20वीं किस्त

नई दिल्ली,12 जून। केंद्र सरकार के पीएम किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) की 20वीं किस्त इसी महीने जारी किए जाने की उम्मीद है. इस साल के लिए इस योजना की दूसरी किस्त 20 जून को 9.8 करोड़ पात्र किसानों के बैंक खातों में जमा की जाएगी.

भारत सरकार और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (पीएम-किसान) शुरू की है, जिसके तहत भारत के प्रत्येक पात्र किसान को 6,000 रुपये की वार्षिक सब्सिडी मिलेगी, जो हर चार महीने में 2,000 रुपये के तीन बराबर भुगतानों में दी जाएगी. लेटेस्ट घोषणा में भारत सरकार ने अधिसूचित और अनिवार्य किया है कि केवल वे किसान ही पीएम-किसान सम्मान निधि योजना के लाभ के लिए पात्र होंगे जिन्होंने रजिस्ट्रेशन प्रोसस पूरी कर ली है. 20वीं किस्त प्राप्त करने के लिए किसान किसान रजिस्ट्री यूपी मोबाइल ऐप, आधिकारिक पीएम किसान वेबसाइट या किसी भी सार्वजनिक सेवा सुविधा पर जाकर रजिस्ट्रेशन प्रोसस पूरी कर सकते हैं. पीएम-किसान पूरे भारत में गरीब किसानों के लिए एक जीवन रेखा है. पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की शुरू की गई यह योजना पात्र किसानों को प्रति वर्ष 6,000 रुपये देती है. 2019 में शुरू की गई पीएम-किसान योजना, गरीब और हाशिए पर पड़े किसानों को तीन बराबर किस्तों में प्रति वर्ष 6,000 रुपये देती है. मानसून की बुवाई के करीब होने के साथ, जून की किस्त खरीफ फसल के मौसम की तैयारी कर रहे लाखों ग्रामीण परिवारों के लिए महत्वपूर्ण है. सबसे बढ़कर, यह उस अवधि के दौरान समय पर वित्तीय सहायता भी देता है जब इनपुट लागत बढ़ जाती है.

पंचायत सीजन 4 का ट्रेलर आउट, फुलेरा गांव बना चुनावी अखाड़ा, सामने आई नई रिलीज डेट

पंचायत सीजन 4 को द वायरल फीवर ने प्रोड्यूस किया है. इसे दीपक कुमार मिश्रा और चंदन कुमार ने मिलकर बनाया है, लिखा है चंदन कुमार ने और दीपक कुमार मिश्रा और अक्षत विजयवर्गीय ने डायरेक्शन संभाला है. एक खास इंटरऐक्टिव वेबसाइट पर हुए अनोखे वोटिंग मुकाबले में 6.5 मिलियन से ज्यादा फैंस ने टीम मंजू देवी या टीम क्रांति देवी को सपोर्ट किया और इसी जोश की वजह से नए सीजन की रिलीज डेट पहले कर दी गई. अब पंचायत सीजन 4 भारत समेत दुनियाभर के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में 24 जून से सिर्फ प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा.

पंचायत सीजन 4 का जबरदस्त और मजेदार ट्रेलर रिलीज कर दिया है. इसके साथ ही फैंस को एक और तोहफा मिला है, शो अब पहले से जल्दी, यानी 24 जून से स्ट्रीम होगा. पंचायत को प्रोड्यूस किया है द वायरल फीवर ने. इस सीजन को दीपक कुमार मिश्रा और चंदन कुमार ने मिलकर बनाया है, स्क्रिप्ट लिखी है चंदन कुमार ने, और दीपक कुमार मिश्रा और अक्षत विजयवर्गीय ने डायरेक्शन संभाला है.

फुलेरा नाम के काल्पनिक गांव में सेट 'पंचायतइ का नया सीजन एक बार फिर छोटे शहर की हलचल, भावनाएं और ह्यूमर से भरपूर किस्सों से भरा होगा. इस बार नई चुनौतियों के साथ-साथ पुराने और प्यारे चेहरे फिर लौटेंगे और उनके साथ ढेर सारे मजेदार ट्विस्ट भी. शो में एक बार फिर नजर आएंगे जीतेन्द्र कुमार, नीना गुप्ता, रघुबीर यादव, फैसल मलिक, चंदन रॉय, सान्विका, दुर्गेश कुमार, सुनीता राजवार और पंकज झा जैसे शानदार कलाकार. 'पंचायतइ के नए सीजन का ट्रेलर दिखाता है कि कैसे फुलेरा गांव इस बार चुनावी घमासान का मैदान बनने वाला है, जहां आमने-सामने हैं मंजू देवी और क्रांति देवी. रैली के गीत, बड़े-बड़े वादे और जबरदस्त प्रचार के साथ पूरा गांव जैसे किसी मेले में बदल गया है. दोनों टीमें एक-दूसरे को पछाड़ ? की होड़ में जुटी हैं, और इसी चक्कर में शुरू होता है असली खेल जैसे एक-दूसरे के ऊपर तंज कसना, छुपे इशारों में सवाल उठाना और चुपचाप चालें चलना. गांव की गलियों में गूंजते देसी गानों और जोश से भरे नारों के बीच ये ट्रेलर वादा करता है एक फुल ऑन देसी झगड़ा, जिसमें होगा मजा, ड्रामा और वो सारा तड़का जो फुलेरा की राजनीति को दिलचस्प बना देता है। देखिए पंचायत सीजन 4 24 जून से सिर्फ प्राइम वीडियो पर.

'पंचायत सीजन 4इ के लॉन्च से पहले फैंस ने इस बार सिर्फ इंतजार नहीं किया, बल्कि रिलीज डेट तय करने में भी बड़ी भूमिका निभाई. साइट पप बनाए गए खास इंटरएक्टिव प्लेटफॉर्म पर फैंस ने टीम मंजू देवी और टीम क्रांति देवी के लिए जोरदार वोटिंग की.

शेयर बाजार तेजी के साथ ग्रीन जोन में खुला, सेंसेक्स 132 अंक उछला, निफ्टी 25,196 पर

(मुंबई)सपाट पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 56 अंक ऊपर, निफ्टी 25,164 पर

मुंबई,12 जून। कारोबारी सप्ताह के चौथे दिन शेयर बाजार सपाट पर खुला. बीएसई पर सेंसेक्स 56 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 82,571.67 पर ओपन हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.09 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 25,164.45 पर खुला.

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर गुरुवार को सुर्खियों में रहने की संभावना है, क्योंकि ब्लैकरॉक के साथ इसके संयुक्त उद्यम को भारत में निवेश सलाहकार परिचालन शुरू करने के लिए नियामक मंजूरी मिल गई है.

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 7 पैसे बढ़कर 85.46 पर पहुंचा. कारोबारी सप्ताह के तीसरे दिन शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ. बीएसई पर सेंसेक्स 123 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 82,515.14 पर क्लोज हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.15 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 25,141.40 पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान सेंसेक्स पर एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स के शेयर टॉप गेनर के लिस्ट में शामिल रहे. जबकि पावर ग्रिड कॉर्प, अडाणी पोर्ट्स, मारुति सुजुकी, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस के शेयर टॉप लूजर के लिस्ट में शामिल रहे.

बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.5 फीसदी की गिरावट आई. क्षेत्रीय मोर्चे पर, एफएमसीजी, पावर, पीएसयू बैंक 0.5-1 फीसदी नीचे रहे, जबकि तेल एवं गैस, फार्मा, आईटी 0.5-1.2 फीसदी ऊपर रहे.

अमेरिका और भारत और चीन जैसे प्रमुख साझेदारों के बीच व्यापार वार्ता में प्रगति के संकेतों के बीच अन्य एशियाई बाजारों में देखी गई बढ़त को दिखाते हुए, बुधवार को भारत के बेंचमार्क सूचकांक में थोड़ी बढ़त दर्ज की गई.

मुख्यमंत्री ने गुजरात में हुई विमान दुर्घटना पर जताया गहरा शोक

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने गुजरात के अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना को अत्यंत हृदयविदारक और दुखद घटना बताया है। उन्होंने इस भीषण दुर्घटना में मृत यात्रियों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री श्री साय ने दिवंगत आत्माओं की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना करते हुए उनके परिजनों को इस दुख की घड़ी में संबल और शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

न्यूज गैलरी

छत्तीसगढ़ में फिर शुरू हो सकता है गौठानों का संचालन, जोशी करेंगे राज्य सरकार से चर्चा

रायपुर। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव संजय विनायक जोशी दो दिवसीय प्रवास पर आज सुबह राजधानी रायपुर पहुंची जहां पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। माना विमानतल पर कुछ पत्रकारों से चर्चा करते हुए गौशालाओं का नाम गौधाम करने के फैसले का स्वागत करते हुए जमकर उसकी सराहना किया। इस दौरान उन्होंने पूर्वर्ती कांग्रेस सरकार में शुरू की गई गौठानों के संचालन करने कांग्रेस की मांग पर उन्होंने इसके फिर से संचाल के लिए राज्य सरकार से चर्चा करने की बात कही। श्री जोशी बलौदाबाजार में आयोजित समृद्ध भारत सम्मेलन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आज सुबह राजधानी रायपुर पहुंचे। बताते दें कि प्रदेश में रोजाना गौ वंश सड़क हादसे के शिकार हो रहे है और इसकी रोकथाम के लिए गोठानों को फिर से शुरू करने की मांग काफी दिनों से उठ रही है।

छत्तीसगढ़ में कोरोना मरीजों की संख्या 75 पहुंची

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बुधवार को कोविड के 5 नए मरीज मिले हैं। इनमें रायपुर से 3 और बिलासपुर से 2 मरीज हैं। प्रदेश में अब तक कोविड के कुल 75 केस मिल चुके हैं। इनमें से 30 रिकवर हो चुके हैं। वहीं, 45 एक्टिव हैं। इनमें 41 होम आइसोलेशन में हैं। 3 ऑक्सीजन सपोर्ट पर है व एक आईसीयू में हैं।

सरकारी मेडिकल कॉलेज बनें जनता की पहली पसंद : स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल

रायपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के "विकसित भारत 2047" के विजन को साकार करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने चिकित्सा और सामुदायिक विकास दोनों क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बैठक लेकर मंगलवार को कांकेर जिले में समीक्षा की। मंत्री श्री जायसवाल ने जिले के नांदनमारा स्थित इंदिरा गांधी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में आयोजित स्वशासी समिति की बैठक लेकर कॉलेज की कार्यप्रणाली, आधारभूत ढांचे और चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता पर विस्तार से चर्चा की। मंत्री ने साफतौर पर निर्देश दिए कि सरकारी मेडिकल कॉलेजों को इस रूप में विकसित किया जाए कि वे जनता की पहली पसंद बनें। उन्होंने कहा कि बाह्य रोगी विभाग व अंतःरोगी सेवाओं में संवेदनशीलता और उत्कृष्टता लाना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। जनता को केवल इलाज नहीं, बल्कि सम्मान और संवेदना भी मिले, यही हमारी चिकित्सा व्यवस्था की पहचान होनी चाहिए।

स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने चिकित्सा अधिकारियों की बैठक लेते हुए कहा कि विभाग का उद्देश्य सिर्फ उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना ही नहीं है, अपितु आमजनता के प्रति संवेदनशीलता और उन्हें सम्मान भी मिले। स्वास्थ्य मंत्री ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देने पर जोर दिया।

स्वस्फूर्त संकल्प को सिद्धि के धरातल पर साकार करने का बीड़ा उठाया गरिमा ने

00 विधि स्नातक गरिमा अग्रवाल ने शिक्षित होकर दो नहीं, बल्कि अपने भाई गौरव के साथ मिलकर कई परिवारों की बेटियों को शिक्षित करने का एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया
00 अर्पण दिव्यांग पब्लिक स्कूल में कन्या छात्रावास के निर्माण का सारा खर्च वहन करने का निर्णय लेकर गरिमा और गौरव ने दिव्यांग बच्चियों की पढ़ाई की दिशा में सार्थक पहल की

रायपुर। यह एक स्थापित सत्य है कि बेटी जब शिक्षित होती है तो वह अकेली नहीं, अपितु दो परिवार और कुल शिक्षित होते हैं। लेकिन एक बेटी ने शिक्षित होकर दो नहीं, बल्कि अपने भाई के साथ मिलकर कई परिवारों की बेटियों को शिक्षित करने का एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करके आत्मकेंद्रित और भौतिकवादी होते जा रहे हमारे सामाजिक सरोकारों को एक रचनात्मक दिशा दी है।

अपने स्वस्फूर्त संकल्प को सिद्धि के धरातल पर साकार करने वाली राजधानी के व्यवसायी उमेश अग्रवाल की बिटिया विधि-स्नातक गरिमा अग्रवाल और बेटे गौरव अग्रवाल ने दिव्यांग बेटियों के हॉस्टल एवं शिक्षा हेतु मुक्तहस्त से अविस्मरणीय दान किया है। गरिमा ने लगभग 30 बच्चियों के लिए कन्या छात्रावास की व्यवस्था करने का बीड़ा उठाया है और उनके भाई गौरव अग्रवाल इस

पवित्र संकल्प की पूर्ति में अपनी बहन के साथ कदम-से-कदम मिलाकर चल रहे हैं। भाई-बहन के इस संवेदनक्षम संकल्प की सर्वत्र प्रशंसा हो रही है।

गरिमा और गौरव ने राजधानी के बजाज कॉलोनी (न्यू राजेन्द्र नगर) में संचालित अर्पण दिव्यांग पब्लिक स्कूल में कन्या छात्रावास के निर्माण का सारा खर्च वहन करने का निर्णय लेकर इस दिशा में सार्थक पहल की। इस विद्यालय में दिव्यांग बेटियों को पढ़ाने की व्यवस्था थी लेकिन बहुत-से गरीब परिवारों की बच्चियाँ आवास की सुविधा न होने के चलते शिक्षा से वंचित थीं। विदित रहे, अर्पण दिव्यांग स्कूल में ब्वॉय'ज हॉस्टल तो है लेकिन गर्ल्स हॉस्टल नहीं होने के कारण ग्रामीण क्षेत्र की दिव्यांग बच्चियाँ शिक्षा से वंचित हो रही थीं क्योंकि इन परिवारों की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वे शहर में अपनी बच्चियों की पढ़ाई का खर्च बिना आवासीय सुविधा के उठा सकें।

दिव्यांग बच्चियों की पढ़ाई के प्रति ललक और शिक्षा से वंचित रह जाने की पीड़ा ने तब एक स्वस्फूर्त संकल्प को जन्म दिया और गरिमा अग्रवाल ने बेटियों की शिक्षा के लिए प्रशंसनीय कार्य कर कन्या छात्रावास के निर्माण का पूरा खर्च उठाकर अविस्मरणीय कार्य किया। इससे यह स्पष्ट है कि एक 23 साल की लॉ ग्रेजुएट गरिमा के मन में यह भाव एक बेटी होने के नाते ही आया और गरिमा ने अपने नाम के अनुरूप बेटियों के लिए गरिमापूर्ण कार्य किया।

इस कन्या छात्रावास के लिए हुए भूमिपूजन समारोह के बाद गरिमा ने बताया कि प्रदेश की सभी बच्चियाँ, चाहे वह दिव्यांग हो या अंध-मूक-बधिर, सभी को शिक्षित होना चाहिए, उनका यही लक्ष्य इस प्रेरणा का उत्स है। विद्यालय के प्राचार्य कमलेश मिश्रा ने बताया कि इस दिशा में सरकार की सुविधा के साथ-साथ अर्पण दिव्यांग पब्लिक में निःशुल्क शिक्षा सुविधा उपलब्ध कराके अलग-अलग विधाओं में प्रशिक्षित कर उन्हें स्वाभिमानपूर्वक आजीविका के योग्य तैयार किया जाता है। समारोह के दौरान पूर्व महापौर प्रमोद दुबे, अर्पण कल्याण समिति के अध्यक्ष प्रकाश शर्मा, स्कूल की को-ऑर्डिनेटर सीमा छाबड़ा की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

पड़ोसी की पत्नी, मां और जीजा से गाली-गलौच करने पर जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू के खिलाफ एफआईआर दर्ज

जांजगीर-चाम्पा। जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू के खिलाफ पड़ोसी चंद्रशेखर राठौर ने पत्नी, मां और जीजा से गाली-गलौच कर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवाया है। वहीं दूसरी ओर विधायक साहू ने भी चंद्रशेखर राठौर के खिलाफ मारपीट करने का काउंटर रिपोर्ट दर्ज करवाया है। पुलिस ने जमीन विवाद को लेकर मारपीट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चंद्रशेखर राठौर ने पुलिस को अपनी रिपोर्ट में बताया कि जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू के घर के दो एसी के आउटडोर व चिमनी से धुंआ निकलने वाले स्थान को उसकी जमीन तरफ रखा है, जिसे हटाने को कहने के बाद भी नही हटाया था। इस पर 10 जून को बालेश्वर साहू के मकान पर काम करने वाले नौकर को हटाने कहा था। इस बात की जानकारी मिलते ही जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू ने गली और फिर घर आकर घर वालों से अश्लील गाली-गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी दी। वहीं जीजा हेमंत राठौर से मारपीट की, जिससे उनके गाल और पीठ पर चोट आई है। उसके माता-पिता, उसकी पत्नी और बच्चों को यदि भविष्य मे कुछ हुआ तो उसका जिम्मेदार बालेश्वर साहू होगा। पड़ोसी की शिकायत पर विधायक के खिलाफ बीएनएस की धारा 329(4), 296, 351(2) और 115 (2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया है। वहीं विधायक बालेश्वर साहू ने भी पड़ोसी चंद्रशेखर राठौर के खिलाफ मारपीट की शिकायत की है। एडिशनल एसपी उमेश कश्यप ने बताया कि दोनों पक्ष की ओर से जमीन विवाद को लेकर मारपीट के तहत मामला दर्ज किया कर जांच के बाद आगे की कार्रवाई करने की बात कही है।

रायपुर से अहमदाबाद जाने वाली फ्लाइट कैंसिल

रायपुर। अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना के बाद जारी राहत बचाव कार्य को देखते हुए देश की कुछ उड़ानें रद्द कर दी गई है जिनमें रायपुर से अहमदाबाद जाने वाली फ्लाइट भी शामिल है। रायपुर के स्वामी विवेकानंद विमानतल में बड़ी संख्या में यात्री अहमदाबाद जाने के लिए पहुंचे थे क्योंकि यह फ्लाइट रायपुर से 1: 40 मिनिट पर रवाना होती है।

पुण्यतिथि पर महापौर समेत शहरवासियों ने विद्याचरण शुक्ल को किया याद

रायपुर। आज पूर्व केन्द्रीय मंत्री शहीद पण्डित विद्याचरण शुक्ल की 12वीं पुण्यतिथि पर उन्हें नमन करने नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में नगर निगम जोन 4 के सहयोग से राजधानी शहर में रायपुर नगर पालिक निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के सामने नगर निगम के शहीद पण्डित विद्याचरण शुक्ल उद्यान परिसर स्थित उनकी मूर्ति के समक्ष रखे गए संक्षिप्त पुष्पांजलि आयोजन में पहुंचकर राजधानी शहर की प्रथम नागरिक नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने उन्हें समस्त नगरवासियों की ओर से सादर नमन करते हुए मूर्ति स्थल पर आदरांजलि अर्पित की. नगर निगम संस्कृति विभाग

के अध्यक्ष श्री अमर गिदवानी, पूर्व पार्षद श्री मनोज कंदोई, सामाजिक कार्यकर्त्ता सर्वश्री अनुभव चरण शुक्ला, प्रमोद तिवारी, नवीन चंद्राकर, जोन 4 सहायक अभियंता श्री दीपक देवांगन, गणमान्यजनों, ने शुक्ल को उनकी 12वीं पुण्यतिथि पर मूर्ति स्थल पर नमन किया।

13 को नहीं होगी जानकी-भाग 1 रिलीज, सेंसर बोर्ड ने नाम बदलने कहा 00 निमार्ता व निर्देशक मोहित साहू कोर्ट जाने की तैयारी में

रायपुर। एन माही फिल्म के बैनर तले बनी छत्तीसगढ़ी व हिन्दी फिल्म जानकी भाग -1, 13 जून को छत्तीसगढ़ के साथ पूरे भारत वर्ष में रिलीज होने वाली थी लेकिन रिलीज से ठीक चार दिन पहले सेंसर बोर्ड ने फिल्म का नाम बदलने और ऊपर से आदेश होने की बात कहकर रिलीज के लिए सर्टिफिकेट देने से इंकार कर दिया। इस बात से निमार्ता व निर्देशक मोहित साहू काफी मायूस दिखे और उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि फिल्म के रिलीज से पहले सेंसर बोर्ड ने पोस्टर, ट्रीजर और दो अन्य चीजों को पास किया था तो उस समय बता देते तो वे कुछ कर सकते थे लेकिन फिल्म के रिलीज डेट नजदीक आने के बाद रिलीज के लिए सर्टिफिकेट देने से इंकार करना बहुत दुख की बात है। उन्होंने कहा कि फिल्म की कहानी उनकी हीरोइन जानकी पर लिखी गई है और यह महिला प्रधान फिल्म है इसमें किसी भी प्रकार की फुहड़पन नहीं दिखाया गया है तो सेंसर बोर्ड को रिलीज के लिए सर्टिफिकेट

देने में क्यों तकलीफ हो रही है। सोमवार को वे मुंबई पहुंचे और फिल्म रिलीज के लिए उन्होंने अर्जेंट में 80 हजार रुपये भी जमा किया लेकिन इसके बाद भी उन्हें कह दिया गया कि नाम को बदलना होगा। उन्होंने आमजनों के समक्ष अपनी पीड़ा रखते हुए कहा कि वे इसके रिलीज के लिए कोर्ट तक जाएंगे और इसकी नाम से वे टाइटल लेकर रहेंगे। क्योंकि उन्होंने छत्तीसगढ़ की कला ,संस्कृति और सामाजिक परिवेश को छत्तीसगढ़ के साथ देश और विदेश में फिल्म जानकी भाग -1 के माध्यम से पहुंचाना चाहते है।

हम सभी की साझी भागीदारी से ही पर्यावरण संरक्षण का संकल्प होगा पूरा : मुख्यमंत्री

00 मुख्यमंत्री फाइट अगेंस्ट ग्लोबल वार्मिंग कैपेन कार्यक्रम में हुए शामिल

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषक सभागार में आयोजित फाइट अगेंस्ट ग्लोबल वार्मिंग कैंपेन कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा, विकास का मूलमंत्र है और यह राष्ट्र के समग्र विकास की प्रारंभिक तथा अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि निजी शिक्षण संस्थानों ने भी शिक्षा के विस्तार में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया है, उसे प्राप्त करने में हम सभी की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। राज्य सरकार ने इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विकसित छत्तीसगढ़ का विज? डॉक्यूमेंट तैयार किया है और इस दिशा में निरंतर प्रयासों को गति प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 25 वर्ष का छत्तीसगढ़ आज अपनी रजत जयंती मना रहा है और इस यात्रा में राज्य ने चहुंमुखी विकास की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की

हैं। उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ में आईआईटी, आईआईएम, एम्स जैसे प्रतिष्ठित केंद्रीय संस्थान कार्यरत हैं, जो राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की गंभीर चुनौती से जूझ रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने वर्ष 2070 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य तय किया है, जिसकी दिशा में देश ने तीव्र गति से कदम बढ़ाए हैं। छत्तीसगढ़ ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने की दिशा में अग्रसर है। राज्य की आकर्षक नई औद्योगिक नीति के तहत केवल ऊर्जा क्षेत्र में ही तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि राज्य में वृक्षारोपण का विशेष अभियान चलाया जा रहा है और विगत वर्ष चार करोड़ पौधे रोपे गए थे। राज्य सरकार "एक पेड़ माँ के नाम" और पीपल फॉर पीपुल जैसे नवाचार कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें नौनिहालों में पर्यावरण चेतना का विकास करना चाहिए, जिससे वे स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित भविष्य की नींव रख सकें। उन्होंने इस अभियान में भाग ले रहे सभी शिक्षकों और आयोजकों की सराहना की और कहा कि सामाजिक भागीदारी से ही हम शुद्ध हवा, निर्मल जल और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित कर सकते हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने संघ द्वारा आने वाले वर्षों में 11 लाख पीपल के वृक्षारोपण के संकल्प की सराहना की।

कार्यक्रम में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, अशासकीय विद्यालय संचालक संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री सुबोध राठी, सचिव श्री मनोज पाण्डेय तथा अन्य प्रतिनिधिगण उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ राज्य अशासकीय विद्यालय संचालक संघ एवं छत्तीसगढ़ राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था।

राज स्नान के साथ 15 दिनों तक एकांतवास में रहेंगे भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा जी

रायपुर। आज स्नान पूर्णिमा पर 108 पवित्र कलशों से हुए 'राज स्नान' के साथ ही अब भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा जी 15 दिनों तक 'अनासर' यानी एकांतवास में रहेंगे। इस अवधि में मंदिर के पट बंद रहेंगे और आम श्रद्धालु भगवान के दर्शन नहीं कर सकेंगे। राजधानी के शंकर नगर (गायत्री नगर) स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में आज स्नान पूर्णिमा पर भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा जी का भव्य महा स्नान अनुष्ठान सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष एवं विधायक पुरंदर मिश्रा ने बताया कि स्नान पूर्णिमा का आयोजन श्रद्धा और व्यवस्था के साथ संपन्न हुआ है। अब हम 27 जून को निकाली जाने वाली भव्य रथयात्रा की तैयारियों में जुट गए हैं, जिसमें

अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। स्नान के पश्चात यह धार्मिक मान्यता है कि भगवान को जलाभिषेक के कारण त्रिदोष (कफ, पित्त, वात) हो जाता है, जिससे वे अस्वस्थ हो जाते हैं। इसी कारण 15 दिनों तक उन्हें एकांत में विश्राम दिया जाता है, जिसे अनासर कहा जाता है। इस दौरान विशेष औषधीय सेवा की जाती है, जिसमें जड़ी-बूटियों, फलों और जौ से बनी औषधीय खिचड़ी भगवान को अर्पित की जाती है। 26 जून को भगवान का नवयौवन दर्शन कराया जाएगा और 27 जून को भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं देवी सुभद्रा जी नगर भ्रमण के लिए रथ पर सवार होकर निकलेंगे।

◆ स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा ट्रास्ट टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन (एन.एच. नं. 43अ.पुर) से मुद्रित एवं स्कूल रोड, बैकुण्ठपुर (कोरिया) से प्रकाशित ॥ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ● RNI No. 71235/98◆ डाक पंजीयन क्र./छ.ग./रायगढ़/सी.ओ./रायपुर05/2005 से2006 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com